PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 289 ● भिलाई, शुक्रवार 29 मई 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

सैन फांसिस्को जा रही एयर इंडिया की उड़ान हवा में 8 घंटे बिताने के बाद लौटी

नईदिल्ली। दिल्ली से अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को जा रही एयर इंडिया की एक उड़ान हवा में 8 घंटे बिताने के बाद इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे लौट आया। बताया जा रहा है कि बोइंग 777 का एआई-173 उड़ान, तकनीकी खराबी के कारण वापस आया है। विमान में चालक दल के सदस्यों समेत 250 लोग सवार थे। विमान सुरक्षित रूप से उतर गया है। एयर इंडिया ने सुरक्षा मानकों के अनुरूप विमान की तकनीकी जांच शुरू कर दी है। विमान ने बुधवार सुबह 3.09 बजे दिल्ली से उड़ान भरी थी। इस बीच, पायलटों को पता चला कि विमान का ट्रैफिक कोलिजन अवॉइडेंस सिस्टम (टीसीएएस) ठीक से काम नहीं कर रहा था। जब विमान उत्तरी अटलांटिक महासागर क्षेत्र के ऊपर से उड़ान भरते हुए विमान चीन के ऊपर से गुजर रहा था, तब पायलटों ने इसे वापस लौटाने का फैसला किया। विशेषज्ञों के मुताबिक, 29,000 फीट से अधिक की ऊंचाई पर टीसीएएस का सही ढंग से काम करना अनिवार्य है। घटना के बाद एयर इंडिया ने एक बयान में कहा, यात्रियों को हुई असुविधा के लिए हमें खेद है और हम उन्हें यथाशीघ्र उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था कर रहे हैं।

गुजरात में मुंद्रा बंदरगाह के पास 1,150 करोड़ रुपये की कोकीन जब्त

कच्छ। गुजरात के कच्छ में मुंद्रा बंदरगाह के पास 118 किलोग्राम कोकीन जब्त की गई है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 1,150 करोड़ रुपये से अधिक बताई जा रही है। गुजरात पुलिस ने बताया कि यह सफलता भारतीय तटरक्षक बल और गुजरात आतंकवाद विरोधी दस्ते (एटीएस) की ओर से मुंद्रा बंदरगाह पर चलाए जा रहे एक संयुक्त अभियान में मिली है। अभियान के दौरान मंगलवार सुबह भारतीय समुद्री सीमा से एक कंटेनर जहाज पकड़ा गया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कंटेनर जहाज ब्राजील, लैटिन अमेरिकी देश, मेक्सिको, अमेरिका और कराची होते हुए गुजरात के तट पर पहुंचा था। इस दौरान जहाज में सवार 2 विदेशी नागरिकों को पकड़ा गया है, जिनके पास नाइजीरिया की नागरिकता है।

सिद्धारमैया ने सीएम पद से दिया इस्तीफा

लोकभवन जाकर राज्यपाल के सेक्रेटरी को सौंपा त्यागपत्र

कर्नाटक/ एजेंसी

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया हैं. उन्होंने लोकभवन में अपना इस्तीफा सौंप दिया है. इस कदम के बाद सिद्धारमैया प्रेस कॉन्फ्रेंस को सम्बोधित कर रहे हैं. उनके साथ इस समय छत्र शिवकुमार भी मौजूद हैं. इससे पहले सिद्धारमैया ने अपनी कैबिनेट के सभी मंत्रियों को ब्रेकफास्ट मीटिंग पर बुलाया था. सिद्धारमैया ने इस मीटिंग में अपने कैबिनेट सहयोगियों को धन्यवाद दिया और तीन साल के कामकाज का रिपोर्ट कार्ड भी सामने रखा. सीएम सिद्धारमैया ने इसी मीटिंग में इस बात का ऐलान भी कर दिया था कि वह मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने जा रहे हैं. इस ऐलान के बाद डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने सिद्धारमैया के पैर छुए, इसके बाद सीएम ने उन्हें गले लगा लिया. कर्नाटक सरकार में मंत्री एचके पाटिल ने बताया कि मीटिंग में डीके शिवकुमार के नाम पर मुहर लगी। वह अगले सीएम होंगे. सिद्धारमैया ने राज्यपाल से मुलाकात के लिए दोपहर ढाई बजे का समय मांगा था. सिद्धारमैया ढाई बजे लोकभवन पहुंचकर सीएम पद से अपना इस्तीफा देने पहुंचे. लेकिन इस बीच एक नया ट्विस्ट आ गया. राज्यपाल बेंगलुरु में मौजूद ही नहीं थे. ऐसे में सिद्धारमैया अब अपना इस्तीफा राज्यपाल के प्राइवेट सेक्रेटरी को सौंप दिया. कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद सिद्धारमैया ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया. इस दौरान सिद्धारमैया ने कहा, 'हाई कमान के पहले

ही इस्तीफा देने के लिए कहने के बाद, मैंने आज अपना इस्तीफा सौंप दिया है. मुझे पूरा भरोसा है कि जब राज्यपाल आएंगे, तो वे इसे स्वीकार कर लेंगे, क्योंकि यह संविधान के अनुसार ही किया जाना है. हमारे पास पूर्ण बहुमत है। इसलिए, यह संवैधानिक है कि मुख्यमंत्री को (सरकार बनाने की) अनुमति दी जाए. मैं सोनिया गांधी, राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे का तहे दिल से आभार व्यक्त करना चाहूंगा, जिन्होंने मुझे यह अवसर प्रदान किया.' सिद्धारमैया ने कहा, 'राज्यपाल अभी बेंगलुरू में नहीं हैं. आज देर रात आएंगे, ऐसा मुझे उनके कार्यालय ने बताया है. इसलिए इस्तीफे को उनके दफ्तर में उनके सचिव को देकर आया हूं. मैंने पहले से ही कहा था, कई बार ये बात कही है कि पार्टी हाईकमान जब भी मुझे निर्देश देगा, तब मैं इस्तीफा दे दूंगा. उसी तरह से परसों हाईकमान की ओर से इस्तीफा देने के निर्देश दिए गए थे. उसी दिन मैंने कहा था परसों में इस्तीफा दे दूंगा और आज मैंने अपना इस्तीफा दे दिया है. राज्यपाल जब वापस लौट आएंगे तब मेरे इस्तीफे पत्र को मंजूरी दे देंगे. ऐसा मुझे विश्वास है और उन्हें ऐसा करना ही होगा. इसके साथ ही सिद्धारमैया ने कहा कि मेरे लिए राज्य का हित सबसे ऊपर है. मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि मैंने अपना इस्तीफा राज्यपाल कार्यालय को सौंप दिया है।

संविधान मेरा धर्म, मतदाता ही भगवान

इस्तीफे के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए सिद्धारमैया ने बताया कि उन्होंने सीएम पद से इस्तीफा दे दिया है। राज्यपाल बंगलूरू में नहीं है इसलिए उन्होंने राज्यपाल के सचिव को अपना इस्तीफा सौंपा है। सिद्धारमैया ने कहा, 'मैंने पहले भी कहा था कि जब भी पार्टी आलाकमान उन्हें कहेगा, वे अपना इस्तीफा दे देंगे। अब पार्टी आलाकमान ने मुझे इस्तीफा देने को कहा तो इसलिए आज मैंने अपना इस्तीफा दे दिया। राज्यपाल जब बंगलूरू आएंगे, तब वे उनके इस्तीफा को स्वीकार करेंगे। संविधान के अनुसार, राज्यपाल को मेरा इस्तीफा स्वीकार करना जरूरी है। हालांकि ठीके शिवकुमार का सीएम बनना तय माना जा रहा है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने गुरुवार को कर्नाटक सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि राज्य में अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि सिद्धारमैया के बाद अगला मुख्यमंत्री कौन बनेगा।

4 ट्रॉली बैग में भर रखा था पैसा

टीएमसी नेता के खेत से मिली 2.24 करोड़ रूपए की नकदी..

नई दिल्ली/एजेंसी

पश्चिम बंगाल पुलिस ने गुरुवार को भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए करोड़ों रुपए की नकदी जब्त की है। उत्तर 24 परगना जिले की बदुरिया नगर पालिका के चेयरमैन और टीएमसी नेता दिपांकर भट्टाचार्य के खेत से करोड़ों की नकदी बरामद हुई। पुलिस को वहां से चार ट्रॉली बैग और एक बोरा मिला था। टीएमसी नेता को पिछले सोमवार एक होटल से भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। सोमवार को जब दिपांकर भट्टाचार्य को बदुरिया के एक होटल से गिरफ्तार

किया गया था, तो उस समय 80 लाख रुपये नकद बरामद हुए थे। यानी अब तक उनसे कुल 3.04 करोड़ रुपए नकद बरामद किए जा चुके हैं। मंगलवार को दिपांकर भट्टाचार्य को जिला अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। बदुरिया नगर पालिका के चेयरमैन दीपांकर भट्टाचार्य को राज्य सरकार की विभिन्न परियोजनाओं से धन के गबन का आरोप लगा है। उन्हें अदालत में पेश करने और हिरासत में पूछताछ करने के बाद पश्चिम बंगाल पुलिस ने कथित तौर पर गांव के मुखिया के आवास के पीछे स्थित एक जूट के खेत में छिपाकर रखी गई भारी मात्रा में नकदी और सोना बरामद किया। राज्य पुलिस के एक अधिकारी ने बताया, ट्रॉली बैग और बोरे से बरामद नकदी को बैंक अधिकारियों की मौजूदगी में कई बार गिना गया। कुल बरामद रकम 2.24 करोड़ रुपये निकली।

नासिक के कश्यपी डैम में बड़ा हादसा, दो नाबालिग समेत चार लोग डूबे

नासिक। महाराष्ट्र के नासिक-हरसुल मार्ग पर स्थित कश्यपी बांध में डूबने से एक ही परिवार के चार लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों में एक पति-पत्नी और उनके पड़ोसी के दो बच्चे शामिल हैं। हालांकि, एक स्थानीय महिला की सूझबूझ और बहादुरी के कारण दो साल की एक मासूम बच्ची को सुरक्षित बचा लिया गया। मृतकों की हुई पहचान इस दर्दनाक हादसे में जान गंवाने वाले लोगों की पहचान कर ली गई है- सचिन कैलाश थोंबरे (32) नासिक के रहने वाले एक सिविल इंजीनियर। रोहिणी थोंबरे- सचिन की गर्भवती पत्नी। केतन अनिल पवार (16) और कौशल्या अनिल पवार (14)- सचिन के पड़ोस में रहने वाले दो सगे भाई-बहन।

एयरफोर्स पहुंचाएगी नीट का पेपर

नकल रोकने में सेना करेगी मदद मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने दी जानकारी

नई दिल्ली/ एजेंसी

नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट पेपर लीक की खबर के बाद बाद 3 मई को हुए एग्जाम को रद्द कर दिया गया था। अब नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने नीट री-एग्जाम की तारीख का ऐलान किया है, जिसके तहत 21 जून को नीट री-एग्जाम होना है। नीट री-एग्जाम को नकलविहीन, पारदर्शी और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए लगातार बैठकें हो रही हैं। इसी कड़ी में गुरुवार को केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के घर पर हाई-लेवल मीटिंग आयोजित की गई। खबरों के

मुताबिक, इस बैठक में सहमति बनी है कि नीट री-एग्जाम का पेपर परीक्षा केंद्र तक पहुंचाने में इंडियन एयरफोर्स मदद करेगी। इसको लेकर खुद केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने जानकारी दी है। सीबीएसई की ऑन-स्क्रीन मार्किंग प्रणाली को लेकर चल रहे विवाद के बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने गुरुवार को मीडिया से बात की। इस दौरान उन्होंने आश्वासन दिया कि यदि इस प्रक्रिया में कोई जानबूझकर की गई लापरवाही या गड़बड़ी पाई जाती है, तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। मंत्री ने कहा कि केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने लगभग 40 करोड़ स्कैन किए गए पन्नों से जुड़ा एक बड़ा डिजिटल मूल्यांकन अभियान चलाया है। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा, सीबीएसई ने 12वीं कक्षा की परीक्षाओं के लिए पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसमें लगभग 17 लाख छात्रों ने हिस्सा लिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने राज्यों से कहा

सहयोग के जरिए ही जल विवादों का समाधान होगा

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राज्यों से सहयोग, समय पर मंजूरी और प्रौद्योगिकी आधारित निगरानी के माध्यम से अंतरराज्यीय जल विवादों का समाधान करने की अपील करते हुए कहा है कि केन-बेतवा परियोजना को एक आदर्श के रूप में काम करना चाहिए। बुधवार शाम को आयोजित 51वीं 'प्रगति' बैठक की अध्यक्षता करते हुए, प्रधानमंत्री ने इस बात पर भी जोर दिया कि सार्वजनिक परियोजनाओं को लागू करने में देरी से न केवल लागत बढ़ती है, बल्कि नागरिकों को जरूरी सुविधाओं और विकास के लाभ भी समय पर नहीं मिल पाते। उन्होंने कहा कि हर देरी का लोगों के जीवन, क्षेत्रीय विकास और सार्वजनिक संसाधनों पर

सीधा असर पड़ता है। बैठक में नौ राज्यों में रेलवे, बिजली और सड़क क्षेत्र की लगभग 30,000 करोड़ रुपये की सात महत्वपूर्ण अवसंरचना परियोजनाओं की समीक्षा की गई। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना की समीक्षा करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि इसे अन्य राज्यों के लिए एक आदर्श के रूप में काम करना चाहिए।

लेबनान में इजराइली हमलों में कम से कम 14 लोगों की मौत

बेरूत। इजराइली सेना ने बृहस्पतिवार तड़के लेबनान के चौथे सबसे बड़े शहर पर बमबारी की, जिसमें कम से कम 14 लोगों की मौत हो गयी। इजराइली सेना का यह हमला वाशिंगटन में होने वाली महत्वपूर्ण वार्ता से पहले हिजबुल्ला समूह के खिलाफ सैन्य कार्रवाई को और तेज करने से जुड़े अभियान का हिस्सा है। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय और सरकार के स्वामित्व वाली 'नेशनल न्यूज एजेंसी' के अनुसार, इन हमलों में मारे गए लोगों में पांच महिलाएं, बच्चे और लेबनान का एक सैनिक शामिल है तथा दर्जनों लोग घायल हुए। इस बीच, इजराइली सेना ने बताया कि उत्तरी इजराइल में हिजबुल्ला के ड्रोन हमले में एक सैनिक मारा गया।

पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों के बीच खूनी संघर्ष

परिक्रमा मार्ग पर घंटे तक बरसीं गोलियां श्रद्धालुओं में मची भगदड़,दो लोग घायल

मथुरा। मथुरा के हाईवे क्षेत्र स्थित महोली गांव में गुरुवार को पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों के बीच खूनी संघर्ष हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों ओर से जमकर ईंट-पत्थर चले और खुलेआम अवैध हथियारों से फायरिंग की गई। घटना से गांव में अफरा-तफरी मच गई और परिक्रमार्थियों समेत ग्रामीणों में दहशत फैल गई। झगड़े में आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हुए हैं, जिनमें कई को गोली लगी है। सूचना मिलते ही भारी पुलिस बल मौके पर पहुंच गया। जानकारी के अनुसार गांव निवासी गुड्डी प्रधान

और चंद्रपाल के बीच करीब छह महीने पहले किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। उस समय ग्रामीणों ने बीच-बचाव कर मामला शांत करा दिया था, लेकिन पुरानी रंजिश खत्म नहीं हुई। बुधवार को दोनों पक्षों के बीच फिर कहासुनी हुई, जिसके बाद ईंट-पत्थर चलने लगे। करीब आधे घंटे तक चले बवाल से गांव में भगदड़ जैसे हालात बन गए और लोग जान बचाने के लिए सुरक्षित स्थानों की ओर भागने लगे। बताया जा रहा है कि गुरुवार को अधिक मास परिक्रमा के दौरान चंद्रपाल पक्ष ने परिक्रमार्थियों के लिए प्याऊ और सेवा शिविर लगाया हुआ था। इसी दौरान गुड्डी प्रधान पार्षद के लोग भी वहां केला और अन्य सामग्री वितरण करने पहुंच गए। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में विवाद शुरू हो गया। देखते ही देखते मामला इतना बढ़ गया कि दोनों ओर से फायरिंग शुरू हो गई। घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें लोग खुलेआम हथियार लहराते और फायरिंग करते दिखाई दे रहे हैं। गोलीबारी से इलाके में दहशत फैल गई।

परिजनों के लिए मनोवैज्ञानिकों की टीम तैनात

केन्या के गर्ल्स स्कूल में भीषण आग:16 छात्राओं की मौत,70 से अधिक घायल...

नई दिल्ली। अफ्रीकी देश केन्या में एक गर्ल्स स्कूल के छात्रावास में भीषण आग लगने से कम से कम 16 छात्राओं की दर्दनाक मौत हो गई है। यह हादसा केन्या के नकुरु काउंटी स्थित गिलगिल की 'उतुमिशी गर्ल्स अकादमी' में गुरुवार तड़के हुआ। इस अग्निकांड ने न केवल पीड़ित परिवारों को बल्कि पूरे केन्याई राष्ट्र को झकझोर कर रख दिया है। रिपोर्टों के मुताबिक, आग गुरुवार तड़के करीब 3:30 बजे लगी, जब छात्राएं गहरी नींद में सो रही थीं। आग डॉर्मिटरी में इतनी तेजी से फैली कि छात्राओं को बाहर निकलने का मौका ही नहीं मिल सका। घटनास्थल पर मौजूद लोगों के अनुसार, चारों ओर चीख-पुकार मच गई थी। सूचना मिलते ही केन्या रेड क्रॉस की टीमें, एम्बुलेंस सेवाएं और दमकल विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे। राहत और बचाव कार्य तुरंत शुरू किया गया, लेकिन तब तक आग ने विकराल रूप धारण कर लिया था। शुरुआत में प्रशासन की ओर से 10 छात्राओं की मौत की पुष्टि की गई थी। हालांकि, अस्पताल में इलाज के दौरान गंभीर रूप से झुलसी 6 और छात्राओं ने दम तोड़ दिया, जिससे मरने वालों की कुल संख्या बढ़कर 16 हो

गई है। इसके अलावा, 74 अन्य छात्राएं इस हादसे में घायल हुई हैं। घायलों को इलाज के लिए सेंट जोसेफ अस्पताल और क्षेत्र के अन्य प्रमुख चिकित्सा केंद्रों में भर्ती कराया गया है, जहां कई छात्राओं की हालत अब भी गंभीर बताई जा रही है। केन्या के राष्ट्रपति विलियम रूटो ने इस दुखद घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार घायलों के बेहतर इलाज और प्रभावित परिवारों की हर संभव सहायता सुनिश्चित कर रही है। राष्ट्रपति ने घटना की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए हैं ताकि आग लगने के कारणों का पता लगाया जा सके और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके। हादसे के बाद जीवित बची छात्राओं और मृतकों के परिजनों की मानसिक स्थिति को देखते हुए केन्या के स्टेट डिपार्टमेंट फॉर चिल्ड्रेन सर्विसेज ने विशेष कदम उठाए हैं।

91 की उम्र में भोपाल में निधन

मशहूर शायर बशीर बद्र ने दुनिया को कहा अलविदा

भोपाल। शायरी की दुनिया ने गुरुवार को अपना एक और सितारा खो दिया। अजीम शायर बशीर बद्र नहीं रहे। 91 बरस की उम्र में उन्होंने भोपाल में आखिरी सांस ली। वो पिछले कुछ समय से डिमेंशिया से जूझ रहे थे। उनकी रुखसती से साहित्य जगत शोक में है। बशीर बद्र ने कई दशकों तक मुशायरों में हिस्सा लिया और अपनी अलग तरह की शायरी और लफ्जों की वजह से लोकप्रिय रहे। बशीर बद्र के निधन पर जाने-माने गीतकार और शायर जावेद अख्तर ने भी शोक जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि उर्दू आज

और गरीब हो गई। नायाब शायर बशीर बद्र ने हमेशा के लिए रुखसत ले ली। उनकी शायरी हमारी यादों में हमेशा ताजा रहेगी। बशीर बद्र (पूरा नाम सैयद मोहम्मद बशीर) उर्दू साहित्य के बेहद लोकप्रिय शायर थे। इनका जन्म 15 फरवरी 1935 को उत्तर प्रदेश के अयोध्या में हुआ था।

पेयजल समस्या दुरुस्त करने पीएचई को निर्देश
निकाय सभागार में निकाय व पीएचई की बैठक

डोंगरगांव नगर। नगर में पेयजल की सुचारू व्यवस्था को लेकर 25 मई को निकाय के पदाधिकारियों एवं पीएचई विभाग के नुमाइंदों की विशेष बैठक आहुत हुई। नगर पंचायत अध्यक्ष अंजू त्रिपाठी के अगुवाई में आहुत बैठक में पीएचई विभाग को नगर में सुव्यवस्थित तौर से जल प्रदाय हेतु शीघ्र कदम उठाने निर्देशित किया गया। बैठक में वार्ड क्रमांक 01 मोंगरा कालोनी में पेयजल हेतु पाईप लाईन विस्तार कार्य कराये जाने, निकाय क्षेत्र में स्थित जल सप्लाई वाल्व को चेक कराने, पेयजल समस्या से ग्रसित वार्ड क्रमांक 04, 11 एवं 12 के पाईप लाईन चोक होने की शिकायत पर त्वरित कार्यवाही करने निर्देशित किया गया। चर्चा के दौरान वार्ड पदाधिकारीगण अपने वार्डों की समस्या से परिषद को अवगत कराते हुए पेयजल की समस्या का समाधान शीघ्र कराने की बात कही है। नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अंजू त्रिपाठी ने पीएचई विभाग के अधिकारी को दूरभाष के माध्यम से इस समस्या के प्रति ध्यान आकृष्ट कराते हुए जल्द से जल्द पेयजल की व्यवस्था को दूरूस्त करने कहा। इस संबंध में कलेक्टर से प्रत्यक्ष मिलकर समस्या के संबंध में निवेदन पत्र प्रस्तुत कर जल्द से जल्द उचित निराकरण हेतु अपील की है। परिषद की विशेष बैठक में निकाय अध्यक्ष अंजू त्रिपाठी, मुख्य नगरपालिका अधिकारी विनम्र जेमा, उप अभियंता केआर बर्मन, सभापति पुरुषोत्तम साहू, पार्षदगण पद्मिनी ठाकुर, निर्मला मालेकर, गायत्री यादव, लक्ष्मीनारायण सेन, दुर्गेश रामटेके, कोमल साहू, सद्दाम खत्री, प्रफुल्ल जैन के अलावा पीएचई विभाग से सहायक अभियंता विनोद सिंह, उपअभियंता रूखमणी एवं निकाय के पेयजल प्रभारी छन्नूराम साहू उपस्थित थे।

कवर्धा को मिली नई सौगात, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने किया मित्र मिलन चौपाटी का लोकार्पण

फुटकर व्यापारियों को मिला स्थायी व्यवसाय का ठिकाना, शहरवासियों को अब एक ही जगह मिलेगा स्वाद का आनंद

कवर्धा। शहरवासियों को बड़ी सौगात देते हुए उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कवर्धा के हृदय स्थल में नवनिर्मित मित्र मिलन चौपाटी का भव्य लोकार्पण किया। इस नई चौपाटी के शुरू होने से अब शहरवासियों को विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजन एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगे। यह स्थल खानपान के साथ-साथ परिवार और मित्रों के साथ समय बिताने के लिए भी आकर्षक केंद्र बनेगा। चौपाटी में रंग-रोगन, सजावट, आकर्षक रंग-बिरंगी लाइट, पार्किंग, पानी और शौचालय जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं। लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि मित्र मिलन चौपाटी शहरवासियों और परिवारों के लिए एक बेहतर स्थल बनने जा रहा है, जहां लोग अपने परिवार के साथ आकर

स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद ले सकेंगे। उन्होंने कहा कि जो छोटे व्यवसायी पहले सड़क, चौक-चौराहों पर गुमटी लगाकर व्यवसाय करते थे, उन्हें अब स्थायी स्थान उपलब्ध कराया गया है, जिससे उनका रोजगार भी सुरक्षित होगा। उन्होंने कहा कि कवर्धा शहर तेजी से विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है। शहर में वीर स्तंभ चौक, शिवाजी चौक, भोजली तालाब पाथवे चौड़ीकरण, हनुमंत वाटिका, ठाकुरदेव चौक से बस स्टैंड तक पहुंचने का मार्ग जैसे कार्य पूरे हो चुके हैं, जबकि शिव वाटिका, मेडिकल कॉलेज और नालंदा लाइब्रेरी सहित कई विकास कार्य प्रगति पर हैं। उन्होंने बताया कि भोरमदेव कॉरिडोर का निर्माण कार्य किया जा रहा है, और इसके प्रगति और गुणवत्ता की निगरानी के लिए विशेष टीम बनाई गई है, जो नियमित निरीक्षण कर रही है। मेडिकल कॉलेज निर्माण के लिए भी अलग टीम निगरानी कर रही है। उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि शहर की सुरक्षा, स्वच्छता और बिजली व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। नगर पालिका के सामने भी जल्द नई चौपाटी शुरू की जाएगी। इसके अलावा सियान सदन का निर्माण किया जाएगा, जहां बुजुर्गों के लिए आने-जाने और मनोरंजन की सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने बताया कि एसडीएम ऑफिस और शुगर फैक्ट्री परिसर में बलराम सदन और किसान सदन का निर्माण किया गया है। बाईपास को जोड़ने के लिए 10 करोड़ रुपए की लागत से गौरव पथ बनाया जा रहा है। नालंदा लाइब्रेरी, बूढ़ा महादेव परिसर उन्नयन, विशाल डोम निर्माण, मां विंध्यवासिनी मंदिर विस्तार और पुराने अस्पताल परिसर के उन्नयन जैसे कई विकास कार्य शहर में जारी हैं। साथ ही शहर को धूल रहित और स्वच्छ बनाने के लिए भी योजनाबद्ध तरीके से काम किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि भोरमदेव विद्यापीठ में युवाओं को निःशुल्क पीएससी और व्यापम की तैयारी कराई जा रही है, वहीं जिले के 50 स्कूलों में स्मार्ट क्लास शुरू किए गए हैं। उन्होंने लोगों से मित्र मिलन चौपाटी का प्रचार-प्रसार करने और इसकी लोकेशन सोशल मीडिया पर साझा करने की अपील की। नगर पालिका अध्यक्ष चंद्र प्रकाश चंद्रवंशी ने कहा कि कवर्धा वासियों का वर्षों पुराना इंतजार आज पूरा हुआ है। उन्होंने बताया कि चौपाटी में व्यापारियों को स्थायी स्थान दिया गया है, जिससे फुटकर व्यापारियों को बड़ी राहत मिली है। साथ ही इससे शहर की यातायात व्यवस्था भी बेहतर होगी। उन्होंने कहा कि पानी, शौचालय, लाइट और पार्किंग जैसी सभी आवश्यक सुविधाएं यहां उपलब्ध कराई गई हैं। उन्होंने कहा कि कवर्धा को स्वच्छ, सुंदर और विकसित शहर बनाने की दिशा में तेजी से काम किया जा रहा है और मित्र मिलन चौपाटी इसी विकास यात्रा की एक नई सौगात है। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी, नगर पालिका अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश चंद्रवंशी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष विदेशी राम धुर्वे, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष अनिल ठाकुर, जनपद उपाध्यक्ष गणेश तिवारी, नगर पालिका उपाध्यक्ष पवन जायसवाल सहित पार्षद और बड़ी संख्या में शहरवासी उपस्थित थे।

आतरगांव में चल रही है समानांतर सरकार, रेत उत्खनन के लिए नदी के सौदा की चर्चा

आतरगांव में 26 हजार देकर नदी का सीना चीर रहे माफिया?

डोंगरगांव नगर। अंचल के गांवों में समान्तर सरकार कोई नई बात तो नहीं है, बनिस्बत अवैध कृत्य कर शासन प्रशासन को चुनौती दी जा रही है। अनुभाग मुख्यालय से महज 7 किलोमीटर दूर स्थित आतरगांव में इन दिनों रेत के अवैध उत्खनन व परिवहन को लेकर लगातार शिकायतें सामने आ रही हैं। हैरत की बात तो ये है कि खनिज माफिया गाँव का ही निवासी बताया जा रहा है। अनुभाग के ग्राम आतरगांव में नियमों को ताक पर रखकर रेत का अवैध परिवहन किया जा रहा है। नदी से अनियंत्रित तौर से रेत निकाली जा रही है। नाम नहीं छापने की शर्त पर सूत्रों ने बताया कि एक माफिया ने ट्रैक्टर वाहन मालिकों की टीम बनाकर गांव के एक गुट को 26 हजार रुपए देकर नदी से रेत निकालने की तथाकथित स्वीकृति हासिल की है। इसके बाद से दिन रात रेत निकासी की जा रही है। आलम ये है कि रेत माफिया था संबंधित गुट द्वारा शासन को देय राजस्व की भी चिंता नहीं करते हुए गांव में अवैध कृत्य के लिए समांतर सरकार चलाई जा रही है। सूत्रों की माने तो आतरगांव में लगभग 6 ट्रैक्टरों से नियमित रूप से रेत का परिवहन किया जा रहा है। इस पूरे मामले में गांव की एक स्थानीय समिति की भूमिका को लेकर सवाल उठ रहे हैं। चर्चा है कि कथित तौर पर प्रति ट्रिप राशि लेकर इस अवैध परिवहन को मौन सहमति दी जा रही है। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है, लेकिन ग्रामीणों में इसे लेकर काफी आक्रोश व्याप्त है। ग्राम के कुछ जागरूक ग्रामीणों का कहना है कि गांव के ही कुछ लोगों ने निजी लाभ के लिए नदी को ही बेचने जैसी स्थिति पैदा कर दी है। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव की प्राकृतिक संपदा का खुलेआम दोहन किया जा रहा है, लेकिन जिम्मेदार लोग मूकदर्शक बने हुए हैं। बहरहाल इस पूरे मामले में शासन प्रशासन की छवि धूमिल हो रही है।

ग्राम पंचायत की भूमिका संदिग्ध

इस मामले को लेकर सरपंच परी डामन साहू ने मीडिया को बताया कि पंचायत की ओर से रेत उत्खनन या परिवहन के लिए किसी प्रकार की अनुमति नहीं दी गई है। उन्होंने कहा कि गांव समिति में बैठक कर रेत निकाले जाने की जानकारी सामने आई है, लेकिन पंचायत का इससे कोई लेना देना नहीं है।

आवास के आड़ में कालाबाजारी ?

ग्रामीणों के मध्य यह चर्चा भी जोरों पर है कि आवास निर्माण के नाम पर रेत निकाली जा रही है। लोगों का आरोप है कि जरूरत से अधिक मात्रा में रेत का उत्खनन कर उसका परिवहन किया जा रहा है। इससे यह सवाल उठने लगे हैं कि क्या आवास कार्य की आड़ में अवैध रेत कारोबार को बढ़ावा दिया जा रहा है।

सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में कलेक्टर ने दुर्घटना संभावित क्षेत्रों को दुरुस्त करने दिया निर्देश

बेमेतरा। कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं की अध्यक्षता में जिला कार्यालय के सभाकक्ष में जिला सड़क सुरक्षा समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिले की यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने, सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और आम नागरिकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के संबंध में विस्तृत समीक्षा की गई और कई कड़े निर्देश जारी किए गए। कलेक्टर ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल एक विभाग की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह सीधे तौर पर आम नागरिकों के जीवन से जुड़ी हुई है। सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय से काम करें ताकि जिले में सड़क दुर्घटनाओं के ग्राफ को न्यूनतम स्तर पर लाया जा सके। कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

दुर्घटना संभावित क्षेत्र का चिन्हांकन

कलेक्टर ने लोक निर्माण विभाग और राष्ट्रीय राजमार्ग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले के सभी दुर्घटना संभावित क्षेत्रों और ब्लैक स्पॉट का नए सिरे से सर्वे करें। जहाँ भी आवश्यक हो, तत्काल साइन बोर्ड, गति अवरोधक (स्पीड ब्रेकर), रिफ्लेक्टर और ब्लिंकर लाइट लगाने के निर्देश दिए गए।

अतिक्रमण पर होगी सख्त कार्रवाई

कलेक्टर ने सड़कों के किनारे अवैध रूप से किए गए अतिक्रमण और बेतरतीब खड़े वाहनों के कारण होने वाली दुर्घटनाओं पर कलेक्टर ने गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने राजस्व और पुलिस विभाग को संयुक्त रूप से अभियान चलाकर हाईवे और मुख्य मार्गों से अतिक्रमण हटाने को कहा।

यातायात नियमों का सख्ती से पालन किया जाए

कलेक्टर ने पुलिस और परिवहन विभाग को निर्देशित किया कि बिना हेलमेट, सीट बेल्ट न लगाने वाले, ओवरस्पीडिंग, ओवरलोडिंग और शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ सख्त चालानी कार्रवाई की जाए। विशेषकर नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने पर उनके अभिभावकों के खिलाफ भी काउंसलिंग और कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

आवारा पशुओं पर नियंत्रण

राष्ट्रीय राजमार्ग और प्रमुख जिला मार्गों पर बैठने वाले आवारा मवेशियों के कारण होने वाले हादसों को रोकने के लिए स्थानीय निकायों (नगर पालिका/पंचायत) को कांजी हाउस की व्यवस्था दुरुस्त करने और मवेशियों के गले में रेडियम बेल्ट लगाने की कार्रवाई तेज करने को कहा गया।

जागरूकता अभियान

चलाया जाए कलेक्टर ने स्कूलों, कॉलेजों और प्रमुख चौक-चौराहों पर बैनर, पोस्टर और नुक्कड़ नाटक के माध्यम से आम जनता को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने कहा। बैठक में संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

झीरम घाटी के शहीदों को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी डोंगरगांव की श्रद्धांजलि सभा

डोंगरगांव नगर। कांग्रेस ने झीरम घाटी नक्सली हमले में शहीद हुए कांग्रेस नेताओं की पुण्यतिथि शहादत दिवस बतौर मनाया। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी डोंगरगांव द्वारा ग्राम दिवानझिटिया में आहुत श्रद्धांजलि सभा में कांग्रेसजनों ने दिवंगत नेताओं को पुष्पांजलि अर्पित की। कांग्रेसजनों ने अपने नेताओं के लोकतंत्र के लिए त्याग व बलिदान को अक्षुण्य बनाए रखने संकल्प लिया। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के बैनरतले आहुत श्रद्धांजलि सभा दौरान झीरम घाटी हमले में शहीद कांग्रेस नेताओं के त्याग, बलिदान तथा लोकतंत्र की रक्षा के लिए दिए गए योगदान को स्मरण करते हुए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि झीरम घाटी के शहीद नेताओं का बलिदान कांग्रेस कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। कांग्रेस पार्टी सदैव उनके आदर्शों पर चलकर जनसेवा के लिए प्रतिबद्ध रहेगी। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी डोंगरगांव के अध्यक्ष टिकेश साहू ने उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया। इस दौरान ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष टिकेश साहू, बलीराम साहू, रोशन यदु, अखिलेश नखत, मोहनीश साहू, लीलम गोस्वामी, नेतराम देशलहरे, प्रियंक जैन, शरद वैष्णव, कमल वैष्णव, रेवाराम साहू, संजय भट्टाचार्य, चुम्मन साहू, अशफाक शेरु तंवर, योगेश साहू, लीलेश पटेल, हेम सिंह साहू सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

लक्ष्य फाउंडेशन के चौथी बैच में 20 से अधिक कैडेट्स अग्निवीर भर्ती में चयनित

बेमेतरा। लक्ष्य फाउंडेशन बेमेतरा द्वारा संचालित सेना भर्ती निशुल्क शारीरिक प्रशिक्षण संस्था ने एक बार फिर शानदार सफलता हासिल की है। फाउंडेशन के चौथी बैच वर्ष 2025-26 के 20 से अधिक कैडेट्स का चयन भारतीय सेना की अग्निवीर भर्ती में हुआ है। अग्निवीर भर्ती का अंतिम परिणाम घोषित किया गया, जिसमें पूरे छत्तीसगढ़ से कुल 1163 जवानों का चयन हुआ। लक्ष्य फाउंडेशन बेमेतरा पिछले कई वर्षों से युवाओं को निशुल्क शारीरिक प्रशिक्षण, रनिंग, अनुशासन एवं सेना भर्ती की तैयारी करवा रहा है। फाउंडेशन के प्रशिक्षकों की मेहनत और युवाओं के समर्पण का ही परिणाम है कि लगातार बड़ी संख्या में जवान सेना में चयनित हो रहे हैं। फाउंडेशन के संस्थापक मुख्य प्रशिक्षक पवन वर्मा व प्रशिक्षक रिटायर्ड सूबेदार हरीश अवस्थी तथा मार्गदर्शक लेफ्टिनेंट राहुल वर्मा, बेमेतरा निवासी डॉ गोकुल प्रसाद बंजारे अन्य सदस्यों ने चयनित सभी जवानों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह सफलता पूरे बेमेतरा जिले के लिए गर्व की बात है। साथ ही जिन युवाओं का इस बार चयन नहीं हो पाया है, उन्हें निराश न होकर पुनः मेहनत और तैयारी जारी रखने के लिए प्रेरित किया गया। साथ में नए चयनित सब इंस्पेक्टर राधिका यादव व शहर के रिटायर्ड फौजी सूर्या सिंह चौहान भी चयनित कैडेट को बहुत बहुत शुभकामना दिए।

108 संजीवनी एक्सप्रेस कर्मियों की सूझबूझ से एम्बुलेंस में हुआ सुरक्षित प्रसव

बेमेतरा। प्रदेश सरकार की आपातकालीन स्वास्थ्य सेवा 108 संजीवनी एक्सप्रेस एक बार फिर गर्भवती महिला के लिए जीवनदायिनी साबित हुई। 108 एम्बुलेंस कर्मियों की तत्परता, सूझबूझ एवं संवेदनशीलता से एक गर्भवती महिला का एम्बुलेंस में ही सुरक्षित प्रसव कराया गया। वर्तमान में जच्चा और बच्चा दोनों स्वस्थ हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम आनंदगांव निवासी मानसी, पति दीपक, उम्र 24 वर्ष को गर्भावस्था संबंधी जटिलता होने पर जिला चिकित्सालय बेमेतरा में भर्ती कराया गया था। महिला की स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें बेहतर उपचार के लिए मेकाहारा रायपुर रेफर किया। इसके बाद 108 संजीवनी एक्सप्रेस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही 108 एम्बुलेंस के पायलट नीलमणि एवं ईएमटी कलावती

गायकवाड़ तत्काल जिला चिकित्सालय पहुंचे और गर्भवती महिला को एम्बुलेंस में शिफ्ट कर रायपुर के लिए रवाना हुए।

धरसींवां के पास बढ़ी प्रसव पीड़ा, एम्बुलेंस में ही कराया सुरक्षित प्रसव

रायपुर पहुंचने से पहले धरसींवां के आसपास महिला को अचानक तेज प्रसव पीड़ा शुरू हो गई। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए ईएमटी कलावती गायकवाड़ ने परिजनों की सहमति एवं पायलट नीलमणि के सहयोग से एम्बुलेंस में ही प्रसव कराने का निर्णय लिया। ईएमटी द्वारा सभी आवश्यक चिकित्सकीय प्रक्रियाओं एवं सावधानियों का पालन करते हुए सुरक्षित प्रसव कराया गया। कुछ ही देर में महिला ने एक स्वस्थ शिशु को जन्म दिया।

मेकाहारा रायपुर में कराया गया भर्ती

सुरक्षित प्रसव के बाद जच्चा एवं नवजात शिशु को बेहतर देखभाल हेतु मेकाहारा रायपुर में भर्ती कराया गया, जहां दोनों स्वस्थ बताए जा रहे हैं। परिजनों ने विपरीत परिस्थितियों में तत्परता एवं मानवता का परिचय देते हुए सुरक्षित प्रसव कराने पर 108 संजीवनी एक्सप्रेस टीम, ईएमटी कलावती गायकवाड़ एवं पायलट नीलमणि का आभार व्यक्त किया।

बालोद नपा में 'तू डाल-डाल, मैं पात-पात' : तत्कालीन सीएमओ ने बांटा अवैध एक्सटेंशन

वर्तमान सीएमओ ने परिषद के सिर फोड़ा ठीकरा, 60 लाख के टेंडर में अफसरों की जंग शुरू

बालोद। नगर पालिका परिषद बालोद में प्लेसमेंट एजेंसी मेसर्स शिवशक्ति कंस्ट्रक्शन रायपुर को 14 महीने से बिना टेंडर 22त्न अधिक दर पर उपकृत करने के महा-घोटाले में अब अधिकारियों के बीच ही 'ब्लेम गेम' (आरोप-प्रत्यारोप) का दौर शुरू हो गया है। इस मामले में घिरते नजर आ रहे वर्तमान मुख्य नगरपालिका अधिकारी खिरोद्र भाई ने एक नया बयान देकर गेंद परिषद और तत्कालीन अधिकारी के पाले में डाल दी है, जिससे नगर पालिका के भीतर चल रही प्रशासनिक अराजकता पूरी तरह बेनकाब हो गई है। वर्तमान सीएमओ जिस एक्सटेंशन को परिषद का निर्णय बता रहे हैं, असल में नगर पालिका के खुद के रिकॉर्ड्स ने उनके इस दावे की धज्जियां उड़ाकर रख दी हैं।

45 दिन का समय था, फिर भी नहीं निकाला टेंडर

दस्तावेजों के अनुसार, निकाय चुनाव के लिए 17 जनवरी 2025 को अधिसूचना जारी हुई थी और 15 फरवरी 2025 को मतगणना के साथ ही आचार संहिता समाप्त हो गई थी। एजेंसी का मूल अनुबंध 31 मार्च 2025 तक था। आचार संहिता हटने के बाद अधिकारियों के पास नया टेंडर करने के लिए पूरे 45 दिन का समय था। लेकिन नई चुनी गई परिषद को विश्वास में लिए बिना, तत्कालीन सीएमओ ने वित्तीय वर्ष की समाप्ति से ठीक दो दिन पहले यानी 29 मार्च 2025 को एक विवादित आदेश जारी कर दिया। इस आदेश के तहत एजेंसी को दिनांक 31.03.2026 तक या नई प्लेसमेंट एजेंसी से अनुबंध होने तक (जो भी पहले हो) के लिए ही पूर्व स्वीकृत 22 प्रतिशत अधिक की दर पर कुशल, अर्धकुशल और अकुशल श्रमिक उपलब्ध कराने का आदेश दिया गया था।

आखिर नया टेंडर करने से क्यों बच रहे हैं जिम्मेदार?

आदेश की पहली शर्त ही यह थी कि नई प्लेसमेंट एजेंसी से अनुबंध होने तक। इसका साफ मतलब है कि नगर पालिका को तत्काल नया टेंडर जारी करना था। लेकिन अफसरों ने पूरे साल टेंडर प्रक्रिया को ठंडे बस्ते में डाले रखा ताकि शिवशक्ति कंस्ट्रक्शन को 22% अधिक की ऊंची दर का लाभ मिलता रहे। यह सीधे तौर पर छत्तीसगढ़ भंडार क्रय नियमों का उल्लंघन और पद का दुरुपयोग है।

दिसंबर 2025 में परिषद ने कहा 'टेंडर करो', अफसर दबाकर बैठे रहे फाइल

प्राप्त आधिकारिक दस्तावेजों के अनुसार, नगर पालिका की सर्वोच्च संस्था सामान्य सभा (परिषद) ने दिसंबर 2025 की बैठक में अधिकारियों की मनमानी पर अंकुश लगाते हुए सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया था कि आगामी वर्ष 2026-27 के लिए अनिवार्य रूप से नई निविदा आमंत्रित की जाए। नियमतः परिषद के इस आदेश के बाद जनवरी 2026 में ही टेंडर जारी हो जाना था। लेकिन अधिकारियों ने चहेती एजेंसी को बिना प्रतिस्पर्धा के मलाई खिलाने के लिए परिषद के इस सर्वोच्च आदेश को ही रद्दी की टोकरी में डाल दिया।

तत्कालीन साहब की मनमानी, वर्तमान साहब का 'कवर-अप' गेम

सच तो यह है कि यह अवैध एक्सटेंशन परिषद ने नहीं, बल्कि तत्कालीन सीएमओ ने मार्च 2025 में अपने एकल हस्ताक्षर से जारी किया था, जो छत्तीसगढ़ भंडार क्रय नियमों और वित्तीय संहिता का खुला उल्लंघन था। इसके बाद जब 31 मार्च 2026 को वह विवादित आदेश भी समाप्त हो गया, तो पिछले 50 दिनों से बिना किसी टेंडर के काम लिया जाता रहा। इस बीच माह मार्च 2026 का लगभग 10 लाख रुपये का भुगतान फंस गया। इस 'अवैध' भुगतान को निकालने के लिए मई 2026 को आनन-फानन में प्रेसीडेंट इन काउंसिल की अधिकार-विहीन बैठक (60 लाख के टेंडर पर पीआईसी को फैसले का अधिकार ही नहीं है) बुलाई और अब वर्तमान सीएमओ अपनी इस वित्तीय विफलता को छुपाने के लिए परिषद के नाम का झूठा सहारा ले रहे हैं।

धान उठाव और अंतिम निराकरण में लापरवाही पर होगी सख्त कार्रवाई : कलेक्टर गोपाल वर्मा

कवर्धा। कलेक्टर गोपाल वर्मा ने खरीफ विपणन वर्ष 2026 के तहत जिले में धान के उठाव एवं अंतिम निराकरण कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों और उपार्जन केंद्र प्रभारियों को कड़े निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि धान उठाव में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करना सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर वर्मा ने प्रबंधकों एवं उपार्जन केंद्र प्रभारियों को निर्देशित किया कि भौतिक रूप से उपलब्ध धान का तीन दिनों के भीतर अंतिम निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने उपार्जन केंद्रवार समीक्षा करते हुए कहा कि उपलब्ध धान का जीरो शॉर्टेज के साथ उठाव कर लेखा मिलान कराया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन केंद्रों में धान की मात्रा अधिक है, वहां मिलर्स के साथ समन्वय स्थापित कर 29 मई के पहले संपूर्ण धान का उठाव किया जाए। साथ ही सभी उपार्जन केंद्रों में पर्याप्त संख्या में हमाल उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए ताकि उठाव कार्य प्रभावित न हो। कलेक्टर ने यह भी कहा कि जिन केंद्रों में धान की शॉर्टेज अधिक पाई जाए।

संक्षिप्त समाचार

फेसबुक वाले प्रेमी संग रची मौत की साजिश, पति को बिलासपुर बुलाकर उतारा मौत के घाट

बिलासपुर। बिलासपुर में रिश्तों को शर्मसार कर देने वाला सनसनीखेज मामला सामने आया है। झारखंड की रहने वाली एक महिला ने अपने प्रेमी और उसके साथियों के साथ मिलकर अपने ही पति की बेरहमी से हत्या कर दी। हत्या के बाद शव को सिरगिट्टी रेलवे ट्रैक किनारे झाड़ियों में फेंक दिया गया। कई दिनों बाद जब झारखंड पुलिस महिला को लेकर बिलासपुर पहुंची, तब सड़ी-गली लाश बरामद हुई।पुलिस के मुताबिक, झारखंड के सिमडेगा निवासी पूनम लोमगा की चार साल पहले फेसबुक के जरिए सुगड़ टोपनो से दोस्ती हुई थी। धीरे-धीरे दोनों के बीच प्रेम संबंध बन गए। कुछ समय पहले पूनम अपने पति और बच्चों को छोड़कर प्रेमी के साथ भाग गई थी, लेकिन 15 दिन बाद वापस घर लौट आई। घर लौटने के बाद उसने प्रेमी संग मिलकर पति विनोद लोमगा को रास्ते से हटाने की साजिश रच डाली। योजना के तहत प्रेमी सुगड़ टोपनो अपने दोस्तों के साथ बिलासपुर पहुंचा और विनोद को फोन कर 10 हजार रुपए देने तथा पत्नी को छोड़ देने का झांसा दिया। विनोद पत्नी पूनम के साथ 19 मई को बिलासपुर के सिरगिट्टी पहुंच गया। बताया जा रहा है कि सभी लोग रेलवे ट्रैक किनारे सुनसान इलाके में पहुंचे, जहां पहले विनोद के साथ मारपीट की गई। इसके बाद महिला के दुपट्टे से उसका गला दबाया गया और फिर चाकू से गला रेतकर हत्या कर दी गई। आरोपी शव को झाड़ियों और कीचड़ में फेंककर झारखंड फरार हो गए। जब विनोद घर नहीं लौटा तो परिजनों ने उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई।

पुरानी रंजिश में आधी रात बमबाजी, परिवार को जान से मारने की धमकी देकर फरार हुए आरोपी

रायपुर। राजधानी रायपुर के कबीर नगर थाना क्षेत्र में सोमवार देर रात बमबाजी की घटना से इलाके में दहशत फैल गई। बदमाशों ने एक परिवार के घर को निशाना बनाते हुए घर के बाहर विस्फोटक सामग्री फेंकी और जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए। घटना के बाद पूरे मोहल्ले में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार वीर सावरकर नगर, हीरापुर स्थित एलआईजी-922 में रहने वाले परिवार के घर के बाहर देर रात करीब एक बजे यह घटना हुई। बताया जा रहा है कि पुरानी रंजिश के चलते कुछ लोगों ने घर को निशाना बनाया। धमाकों की आवाज सुनकर आसपास के लोग घरों से बाहर निकल आए और इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पीड़ित परिवार की सदस्य रिंकु तिवारी ने कबीर नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में सोनू पटेल, आकाश पासवान सहित अन्य लोगों पर घटना को अंजाम देने का आरोप लगाया गया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

सरपंच के नाम से बनाई फर्जी फेसबुक आईडी, महिला की तस्वीरों पर किए अश्लील कमेंट

रायपुर। सोशल मीडिया पर फर्जी पहचान बनाकर लोगों को परेशान करने का एक और मामला सामने आया है। गौरेला थाना क्षेत्र में एक महिला ने शिकायत दर्ज कराई है कि उसके परिचित सरपंच के नाम से फर्जी फेसबुक आईडी बनाकर उसे परेशान किया गया। महिला की तस्वीरों पर अश्लील टिप्पणियां की गईं और फोटो को अभद्र तरीके से सोशल मीडिया पर वायरल करने का प्रयास किया गया। पीड़ित महिला ने पुलिस को बताया कि फेसबुक पर परिचित व्यक्ति के नाम से फ्रेंड रिक्वेस्ट आने पर उसने उसे स्वीकार कर लिया था। कुछ समय बाद उस अकाउंट से लगातार आपत्तिजनक संदेश और टिप्पणियां आने लगीं। महिला ने जब संबंधित व्यक्ति से संपर्क किया तो पता चला कि उसके नाम से कोई अज्ञात व्यक्ति फर्जी अकाउंट संचालित कर रहा है। इसके बाद महिला ने गौरेला थाना पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफमामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। साइबर सेल की मदद से आरोपी की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।

72 घंटे के ऑपरेशन में ध्वस्त हुआ ऑनलाइन सट्टे का काला साम्राज्य, 26 आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। आईपीएल सट्टे के करोड़ों के काले खेल पर रायपुर पुलिस ने ऐसा शिकंजा कसा कि कोलकाता से हरियाणा तक फैला पूरा नेटवर्क हिल गया। लगातार 72 घंटे चले हाईटेक ऑपरेशन में एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और रायपुर कमिश्नरेट पुलिस ने 5 बड़े ऑनलाइन सट्टा पैनल ध्वस्त करते हुए 26 आरोपियों को गिरफ्तार किया। कार्रवाई न्यू राजेंद्र नगर, मौदहापारा, तेलीबांधा और तिल्दा नेवरा थाना क्षेत्रों में की गई, जहां पुलिस ने तकनीकी साक्ष्य, मुखबिर सूचना और डिजिटल ट्रैकिंग के जरिए देशभर में फैले गिरोह की परतें खोलीं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 59 मोबाइल, 4 लैपटॉप, 17 लाख 92 हजार 70 रुपए नकद और एक चारपहिया वाहन जब्त किया।

नारायणपुर को मिली विकास की बड़ी सौगात

उप मुख्यमंत्री ने विकास कार्यों का किया भूमिपूजन और लोकार्पण

रायपुर/ संवाददाता

प्रदेश के उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, नगरीय प्रशासन, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री अरुण साव ने नारायणपुर प्रवास के दौरान जिलेवासियों को विकास की बड़ी सौगात दी। उन्होंने एजी सिनेमा हॉल में आयोजित कार्यक्रम में 12 करोड़ 29 लाख रूपए की लागत से स्वीकृत विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने नगर पालिका नारायणपुर के विकास के लिए 5 करोड़ रूपए देने की घोषणा भी की। कार्यक्रम में वन एवं जलवायु परिवर्तन, परिवहन, सहकारिता एवं संसदीय कार्य मंत्री श्री केदार कश्यप भी उपस्थित रहे। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कहा कि राज्य सरकार नारायणपुर जिले को विकसित, खुशहाल और समृद्ध बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि जिले के युवाओं ने शिक्षा, खेल, कला और संस्कृति के क्षेत्र में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाई है। विशेष रूप से मलखंभ जैसे कठिन खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले युवाओं की उन्होंने सराहना की। यह कार्यक्रम नारायणपुर जिले के विकास, शिक्षा, युवा सशक्तिकरण और जनकल्याणकारी योजनाओं को नई गति देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने नेशनल स्कूल ड्रामा, नई दिल्ली की प्रस्तुति चंदा के चकोर की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस तरह की सांस्कृतिक प्रस्तुतियां जिले की प्रतिभा को राष्ट्रीय पहचान दिला रही हैं। उन्होंने जिले में आयोजित पांच दिवसीय करियर गाइडेंस कार्यक्रम को युवाओं के लिए उपयोगी बताते हुए कहा कि इससे युवाओं को रोजगार और बेहतर भविष्य के अवसर मिलेंगे। श्री साव ने बताया कि प्रदेश में सरकार बनने के बाद नारायणपुर जिले के विकास कार्यों के लिए 307 करोड़ रूपए स्वीकृत किए गए हैं। उन्होंने कहा कि जिले में 32 करोड़ रूपए की लागत

से सड़क निर्माण कार्य शुरू किए गए हैं, जिन्हें जल्द पूरा किया जाएगा। सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य, कला और संस्कृति के क्षेत्र में नारायणपुर को नई पहचान दिलाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि नारायणपुर को एक विकसित और आधुनिक नगर बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि नगरीय निकाय क्षेत्र में 120 करोड़ रूपए की लागत से सड़क निर्माण कार्य स्वीकृत किए गए हैं। साथ ही विद्यार्थियों को बेहतर अध्ययन सुविधा उपलब्ध कराने के लिए 23 करोड़ रूपए की लागत से लाइब्रेरी भवन का भूमिपूजन किया गया है। कार्यक्रम में शैक्षणिक सत्र 2025-26 की 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा की मेरिट सूची में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को लैपटॉप प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसी प्रकार उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को भी शॉल और श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया गया। विभिन्न विभागों की योजनाओं के तहत हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। कृषि विभाग द्वारा पांच किसानों को किसान समृद्धि योजना अंतर्गत बोर खनन एवं पंप स्थापना के लिए 1.99 लाख रूपए की सहायता राशि प्रदान की गई। उद्यानिकी विभाग द्वारा दो किसानों को बागवानी विकास हेतु 3.85 लाख रूपए के चेक प्रदान किए गए। मत्स्य पालन विभाग द्वारा तीन हितग्राहियों को मछली पकड़ने के जाल वितरित किए गए। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन कर योजनाओं की जानकारी ली। उन्होंने शिक्षा विभाग के स्टॉल में स्वयं विद्यार्थियों को लैपटॉप वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, जिला प्रशासन के अधिकारियों, वरिष्ठ नागरिकों, पत्रकारों तथा बड़ी संख्या में नागरिकों की उपस्थिति रही।

दूरस्थ वनांचल की धामिनी को मिला आयुष्मान का सुरक्षा कवच

रायपुर। संवाददाता

दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों के अंतिम व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुँचाने और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का सीधा लाभ दिलाने के इरादे से धमतरी जिले में एक ऐतिहासिक पहल की गई। जिले में 18 मई से 25 मई 2026 तक संचालित विशेष अभियान जन भागीदारी सबसे दूर, सबसे पहले के अंतर्गत 'जनजातीय गरिमा उत्सव' का सफल आयोजन किया गया। प्रधानमंत्री जनजातीय न्याय महाअभियान (पीएम-जनमन) तथा धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत आयोजित इस विशेष शिविर ने वनांचल के अनेक जरूरतमंद परिवारों के जीवन में नया सवेरा लाने का काम किया है। इन्हीं बदलावों की एक जीवंत तस्वीर धमतरी जिले के सुदूर ग्राम मोंगरा गहन की निवासी धामिनी के चेहरे पर साफ देखी जा सकती है, जहाँ भविष्य को लेकर अब एक नया आत्मविश्वास और संतोष चमक रहा है। कुछ समय पहले तक धामिनी और उनके परिवार के लिए सबसे बड़ी मानसिक और आर्थिक चिंता बीमारी और उसके इलाज को लेकर थी। सीमित आय और संसाधनों के अभाव के कारण परिवार का कोई भी सदस्य बीमार पड़ता, तो पूरा परिवार गहरे आर्थिक संकट में घिर जाता था। गाँव से अस्पताल की लंबी दूरी, महँगा इलाज और आवश्यक सरकारी दस्तावेजों की सही जानकारी न होना उनकी इस परेशानी को कई गुना बढ़ा देता था। पैसों की तंगी और खर्च की चिंता में कई बार छोटी-मोटी बीमारियों का इलाज भी टालना पड़ता था, जो बाद में गंभीर रूप ले लेती थीं। धामिनी के परिवार की यह चिंता तब दूर हुई जब जनजातीय गरिमा उत्सव के दौरान प्रशासनिक टीम खुद उनके गाँव मोंगरा गहन पहुँची। 'सरकार आपके द्वार' की भावना के साथ आयोजित इस विशेष शिविर में ग्रामीणों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की न केवल जानकारी दी गई, बल्कि मौके पर ही उनके दस्तावेज़ भी तैयार किए गए। इसी शिविर में धामिनी का आयुष्मान कार्ड बनाकर उन्हें सौंपा गया।

इबोला वायरस को लेकर रायपुर एयरपोर्ट में अलर्ट, यात्रियों की जांच अनिवार्य

रायपुर। दुनियाभर में तेजी से फैल रहे इबोला संक्रमण को देखते हुए छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य विभाग भी सतर्क हो गया है। संचालनालय स्वास्थ्य सेवाएं, छत्तीसगढ़ की ओर से इबोला संक्रमण की रोकथाम को लेकर सभी संबंधित अधिकारियों को जरूरी निर्देश जारी किए गए हैं। एयरपोर्ट पर आने वाले यात्रियों की स्वास्थ्य जांच, संदिग्ध मामलों की पहचान और आपातकालीन प्रबंधन व्यवस्था सुनिश्चित करने कहा गया है। संचालनालय स्वास्थ्य सेवाएं के अंतर्गत एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम (आईडीएसपी) की ओर से जारी पत्र में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, रायपुर को एयरपोर्ट परिसर में एक नोडल अधिकारी नियुक्त करने के निर्देश दिए गए हैं। जारी निर्देशों में कहा गया है कि एयरपोर्ट पर आने वाले यात्रियों की स्वास्थ्य स्क्रीनिंग व्यवस्था का समन्वय सुनिश्चित किया जाए।

मुख्यमंत्री साय की घोषणा का हुआ पालन

जिला पंचायतों को भी मिलेगा गौण खनिज निधि का हिस्सा...

■ जिला पंचायतों को भी मिलेगा गौण खनिज निधि का हिस्सा

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ सरकार ने त्रिस्तरीय पंचायत व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में बड़ा फैसला लेते हुए जिला पंचायतों को भी गौण खनिजों से प्राप्त रॉयल्टी राजस्व राशि में हिस्सा देने का आदेश जारी कर दिया है। राष्ट्रीय पंचायत दिवस के अवसर पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष रायपुर श्री नवीन कुमार अग्रवाल ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से जिला पंचायतों को भी गौण खनिज निधि का हिस्सा दिए जाने की मांग की थी। मुख्यमंत्री ने मंच से ही इस मांग को स्वीकार करते हुए घोषणा की थी, जिसका अब राज्य शासन द्वारा पालन कर दिया गया है। खनिज साधन विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार गौण खनिजों से प्राप्त कुल राजस्व का 33 प्रतिशत हिस्सा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग को पूर्ववत दिया जाएगा, जबकि शेष 67 प्रतिशत राशि का वितरण ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत और जिला पंचायतों के बीच निर्धारित स्लैब के अनुसार किया जाएगा। जारी आदेश के तहत 7.50 लाख रुपये तक की राशि पूरी तरह ग्राम पंचायत को मिलेगी। 7.50 लाख से 10 लाख रुपये तक की राशि में 80 प्रतिशत ग्राम पंचायत, 10 प्रतिशत जनपद पंचायत और 10 प्रतिशत जिला पंचायत को दिया जाएगा। 10 लाख से 25 लाख रुपये तक की राशि में ग्राम पंचायत को 70 प्रतिशत तथा जनपद और जिला पंचायत को 15-15 प्रतिशत हिस्सा मिलेगा। इसी तरह 25 लाख से 50 लाख रुपये तक की राशि में ग्राम पंचायत को 60 प्रतिशत और जनपद व जिला पंचायत को 20-20 प्रतिशत हिस्सा दिया जाएगा।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में फिर बदलाव,रायपुर में 108 रुपए है....

रायपुर। संवाददाता

देशभर में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोतरी का असर अब सीधे आम लोगों की जेब पर दिखाई देने लगा है। 11 दिन बाद चौथी बार पेट्रोल में 2.61 और डीजल की कीमत में 2.71 रुपए का है। वहीं रायपुर समेत छत्तीसगढ़ के कई शहरों में पेट्रोल की कीमतें 108. 06 रुपये प्रति लीटर के पार पहुंच गई हैं। एक्स्ट्रा प्रीमियम - 116.90, लगातार बढ़ते दामों ने वाहन चालकों, व्यापारियों और मध्यम वर्ग की चिंता बढ़ा दी है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और टैक्स के प्रभाव के कारण ईंधन के दामों में रोजाना बदलाव देखने को मिल रहा है। यही वजह है कि पिछले कुछ दिनों से पेट्रोल-डीजल की कीमतें लगातार चर्चा का विषय बनी हुई हैं। रायपुर में पेट्रोल की कीमतों में फिर बढ़ोतरी देखने को मिली है। शहर में पेट्रोल का रेट 108. 06 प्रति लीटर के बीच दर्ज किया गया, जबकि डीजल की कीमत 101.32 प्रति लीटर बनी हुई है। पिछले तीन दिनों से डीजल के दाम स्थिर हैं, लेकिन पेट्रोल लगातार महंगा होता जा रहा है। बढ़ती कीमतों ने वाहन चालकों और आम लोगों की चिंता बढ़ा दी है, क्योंकि इसका असर अब सीधे घरेलू बजट और रोजमर्रा के खर्चों पर दिखाई देने लगा है। राजधानी रायपुर ही नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ के अन्य प्रमुख शहरों में भी पेट्रोल की कीमतें 106 रुपये प्रति लीटर के करीब पहुंच चुकी हैं। बिलासपुर में पेट्रोल का रेट 108. 06 प्रति लीटर दर्ज किया गया है, जबकि सरगुजा में यह 108.32 प्रति लीटर तक पहुंच गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि अलग-अलग जिलों में राज्य कर, वैट और ट्रांसपोर्टेशन लागत में अंतर होने के कारण ईंधन की कीमतों में थोड़ा बदलाव देखने को मिलता है। लगातार बढ़ते दामों ने पूरे प्रदेश में वाहन चालकों और आम लोगों की चिंता बढ़ा दी है। पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों के पीछे कई बड़े कारण जिम्मेदार माने जा रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव बना हुआ है। कई देशों में भू-राजनीतिक तनाव और सप्लाई प्रभावित होने के कारण तेल महंगा हो रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि पेट्रोल-डीजल की कीमत बढ़ने से केवल वाहन चालकों पर असर नहीं पड़ता, बल्कि इसका प्रभाव पूरे बाजार पर दिखाई देता है।

करतला ब्लॉक में बिजली कटौती, भीषण गर्मी में लोग परेशान

रायपुर। करतला ब्लॉक और आसपास के क्षेत्र में पिछले 4 दिन से लोगों का दिन गुजारना काफी परेशानी भरा हो गया है। दिन में 11 बजे से बिजली गुल हो जाती है और फिर इसकी वापसी शाम 5 बजे के आसपास होती है। भीषण गर्मी में कटौती के कारण जनता त्रस्त है। ग्रामीण ने इस बारे में सीएसईबी वितरण कंपनी से बातचीत की तो उन्हें सिर्फ इतना बताया गया कि सब स्टेशन स्तर पर समस्याएं हो रही है। ट्रांसफार्मर सहित दूसरे इक्विपमेंट गर्मी की वजह से काफी हॉट हो रहे हैं और इसके कारण लंबे समय तक पूरे ऑपरेशन में रखना काफी मुश्किल हो रहा है। नौतपा से पहले ही ग्रामीण क्षेत्र में हजारों की आबादी सीएसईबी के तर्क के कारण दुश्वारियां झेलने के लिए मजबूर है। इधर आज से नौतपा की शुरुआत हो गई है यानी अभी लंबे समय तक तापमान 45 डिग्री के आसपास हो सकता है। लोगों की चिंता बढ़ी हुई है कि जब पहले से ही बिजली वितरण कंपनी के संसाधन ठीक तरह से काम नहीं कर रहे हैं तो फिर आगे क्या होगा। लोगों का कहना है कि रात्रि में कई बार पावर कट होने के कारण अनिद्रा जैसी समस्याएं सामने आ रही है और इधर दिन में ही 5 से 6 घंटे बिजली गुल करने की वजह से जीना मुश्किल हो गया है।

प्रधानमंत्री आवास योजना से श्रीमती प्रीति साहू का पक्के घर का सपना हुआ साकार

■ सुशासन तिहार के शिविर में मिली खुशियों की चाबी, परिवार को मिला सुरक्षित और सम्मानजनक आशियाना

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की मंशानुसार आयोजित सुशासन तिहार 2026 आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का प्रभावी माध्यम बनता जा रहा है। प्रदेशभर में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविरों के माध्यम से जरूरतमंद परिवारों को योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है, जिससे उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव आ रहा है। इसी क्रम में जांजगीर-चांपा जिले के ग्राम बिलारी निवासी श्रीमती प्रीति साहू का वर्षों पुराना पक्के घर का सपना साकार हुआ। आर्थिक रूप से कमजोर होने के कारण उनका परिवार लंबे समय से कच्चे मकान में निवास कर रहा था। बारिश के मौसम में घर में पानी टपकने तथा गर्मी के दिनों में अत्यधिक परेशानी का सामना करना पड़ता था। सीमित संसाधनों के कारण सुरक्षित एवं पक्का घर बनाना परिवार के लिए बड़ी चुनौती बना हुआ था। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत श्रीमती प्रीति साहू को आवास स्वीकृत हुआ तथा योजना के तहत उन्हें निर्धारित राशि उपलब्ध कराई गई। शासन की सहायता से उनके नए पक्के मकान का निर्माण पूर्ण हुआ। सुशासन तिहार के अंतर्गत आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में उन्हें उनके नए घर की प्रतीकात्मक चाबी सौंपी गई। अपने सपनों का पक्का घर मिलने पर श्रीमती प्रीति साहू एवं उनके परिवार के चेहरे पर खुशी साफ दिखाई दी। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शासन की जनहितकारी योजनाओं से गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों को सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर मिल रहा है। उल्लेखनीय है कि सुशासन तिहार के अंतर्गत आयोजित जनसमस्या निवारण शिविरों में विभिन्न विभागों द्वारा योजनाओं की जानकारी देने के साथ-साथ पात्र हितग्राहियों को तत्काल लाभान्वित भी किया जा रहा है। शिविरों के माध्यम से शासन और आमजन के बीच सीधा संवाद स्थापित हो रहा है तथा लोगों की समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है।

तेन्दूपत्ता संग्रहण अभियान से वनांचल के परिवारों की आय में हो रही वृद्धि

तेन्दूपत्ता संग्रहण में छत्तीसगढ़ ने बनाया नया रिकॉर्ड, 13.52 लाख मानक बोरा संग्रहित.....

■ राज्य सरकार की वनोपज संवर्धन नीति से संग्राहकों को मिल रहा सीधा लाभ

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ ने तेन्दूपत्ता संग्रहण (वनोपज) में नया कीर्तिमान स्थापित करते हुए तेरह लाख से अधिक आदिवासी और वनवासी परिवारों की आय में भारी वृद्धि की है। राज्य सरकार द्वारा संग्रहण दर 5500 प्रति मानक बोरा से संग्राहकों के खातों में करोड़ों रुपये का सीधा भुगतान सुनिश्चित किया गया है। वर्ष 2026 के तेन्दूपत्ता संग्रहण अभियान में 24 मई 2026 तक राज्य के छहों वृतों में कुल 13 लाख 52 हजार 248.343

मानक बोरा तेन्दूपत्ता का संग्रहण किया गया है। जंगलों में हरा सोना कहे जाने वाले इस पत्ते को बीनकर आजीविका चलाने वाली महिलाओं और ग्रामीण परिवारों के जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार आया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और वन मंत्री श्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ में राज्य सरकार की वनोपज आधारित योजनाओं का सकारात्मक असर दिखाई दे रहा है। यह उपलब्धि वनांचल के संग्राहकों की मेहनत और राज्य सरकार की प्रभावी वनोपज प्रबंधन नीति का परिणाम है। तेन्दूपत्ता संग्रहण से हजारों वन आश्रित परिवारों को रोजगार और आय का महत्वपूर्ण साधन प्राप्त हो रहा है। राज्य सरकार द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य, समय पर भुगतान और बोनस जैसी सुविधाओं के माध्यम से संग्राहकों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा रहा है। संग्रहण के आंकड़ों के अनुसार बिलासपुर वृत ने सर्वाधिक 3 लाख 03 हजार 191.770 मानक बोरा संग्रहण दर्ज किया है। इसके अंतर्गत रायगढ़, कोरबा, बिलासपुर और मरवाही क्षेत्र का महत्वपूर्ण योगदान रहा। सरगुजा वृत में कुल 2 लाख 98 हजार 200.456 मानक बोरा तेन्दूपत्ता संग्रहित किया गया। बलरामपुर, सूरजपुर, कोरिया, सरगुजा और जशपुर क्षेत्र में संग्रहण कार्य उल्लेखनीय रहा। कांकेर वृत में 2 लाख 24 हजार 817.540 मानक बोरा तथा रायपुर वृत में एक लाख 92 हजार 088.675 मानक बोरा तेन्दूपत्ता संग्रहित किया गया।

संपादकीय

भारत की मेजबानी में ब्रिक्स ये तीन देश मिलकर तय करेंगे नया वर्ल्ड ऑर्डर

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन सितंबर में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए भारत आएंगे। माना जा रहा है कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग भी इस दौरान दिल्ली आ सकते हैं। इन दोनों नेताओं का दौरा ब्रिक्स की अहमियत को फिर से स्थापित करने वाला है। साथ ही, हाल में दुनिया जिस तरह से बदली है, उसे देखते हुए यह इनके आपसी रिश्तों के लिहाज से भी महत्वपूर्ण है। पुतिन पिछले साल दिसंबर में भारत-रूस वार्षिक सम्मेलन के लिए भारत आए थे। वहीं, शी का आखिरी दौरा 2019 में हुआ था। 2020 में गलवान के टकराव के बाद दोनों देशों के रिश्ते बिगड़ते चले गए। जब भारत-चीन में कूटनीतिक और सैन्य तनाव चरम पर था, तब भी ब्रिक्स ही प्रेशर रिलीज करने का जरिया बना। अक्टूबर 2024 में रूस में ब्रिक्स सम्मेलन के इतर पीएम नरेंद्र मोदी और शी की मुलाकात हुई थी। इसके बाद रिश्ते सामान्य करने के लिए कई कदम उठाए गए। ब्रिक्स की अहमियत अब इसके सदस्य देशों से आगे पूरी दुनिया के लिए है। पश्चिम एशिया संकट की वजह से जो अस्थिरता आई है, उसे संभालने में यह मंच अहम भूमिका निभा सकता है। इसी महीने दिल्ली में ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में भारत ने इस दिशा में प्रयास भी किया, हालांकि कोई सहमति नहीं बन पाई। इस समय अध्यक्षता भारत के पास है और सितंबर में असहमतियों को दूर करने का सुनहरा मौका होगा। एक समय भारत-चीन के बीच तल्खी, यूक्रेन युद्ध और ट्रंप की धमकियों की वजह से ब्रिक्स प्रासंगिकता खोता लग रहा था। खासतौर पर ट्रंप नहीं चाहते कि यह मंच मजबूत हो, क्योंकि इससे उन्हें डॉलर के प्रभुत्व को चुनौती मिलती दिख रही है। लेकिन, ट्रंप फिलहाल आक्रामक रुख अपनाने की स्थिति में नहीं दिख रहे। रूस के प्रति वह नरम पड़ चुके हैं और चीन से दोस्ती को बेकरार हैं। ब्रिक्स के उभरने का यह बिल्कुल सही समय है। इससे किसी एक देश के एकाधिकार को तोड़ने और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था को मजबूत करने में मदद मिलेगी। इस मंच के इतर भारत, रूस और चीन के रिश्तों के बदलते डायनेमिक्स के लिए भी सितंबर दौरा महत्वपूर्ण है। व्यापार और ऊर्जा सुरक्षा पर तीनों अर्थव्यवस्थाओं को एक-दूसरे का साथ चाहिए। आपसी प्रतिस्पर्धा के बावजूद इनके बीच सहयोग बेहद अहम है। नया वर्ल्ड ऑर्डर कितना संतुलित होता है और कैसा आकार लेता है, बहुत कुछ इन तीनों देशों के आपसी समीकरण पर निर्भर करेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रति राहुल गांधी की अमर्यादित टिप्पणी को इसी व्यापक संदर्भ में समझना होगा। यह विवाद केवल एक बयान का विवाद नहीं है। यह भारत की राजनीति में चल रहे उस गहरे वैचारिक संघर्ष का प्रतिबिंब है, जिसमें एक ओर सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, सभ्यतागत आत्मविश्वास और 'राष्ट्र प्रथम' की चेतना है, जबकि दूसरी ओर वह राजनीति है, जिसने दशकों तक भारतीय समाज को जाति, क्षेत्र, तुष्टीकरण और प्रतीकात्मक धर्मनिरपेक्षता की रेखाओं में बांटकर सत्ता का गणित साधने का प्रयास किया।

संघ, राष्ट्रवाद और कांग्रेस की सियासी असहजता

(प्रणय विक्रम सिंह)

भारतीय लोकतंत्र का सौंदर्य उसकी विविधता, वैचारिक बहुलता और संवाद की परंपरा में निहित है। यहां असहमति को स्थान मिला है, आलोचना को भी। किंतु जब राजनीतिक विरोध मर्यादा की सीमा लांघकर राष्ट्रसेवा से जुड़े संगठनों, नेतृत्व और करोड़ों नागरिकों की वैचारिक आस्था को 'गद्दारी' जैसे शब्दों से परिभाषित करने लगे, तब वह केवल राजनीतिक प्रतिक्रिया नहीं रह जाती, वह उस गहरी वैचारिक बेचैनी का उद्घाटन बन जाती है, जो लंबे समय से भारत की सांस्कृतिक राष्ट्रवादी चेतना के प्रति एक विशेष राजनीतिक मानसिकता के भीतर विद्यमान रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रति राहुल गांधी की अमर्यादित टिप्पणी को इसी व्यापक संदर्भ में समझना होगा। यह विवाद केवल एक बयान का विवाद नहीं है। यह भारत की राजनीति में चल रहे उस गहरे वैचारिक संघर्ष का प्रतिबिंब है, जिसमें एक ओर सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, सभ्यतागत आत्मविश्वास और 'राष्ट्र प्रथम' की चेतना है, जबकि दूसरी ओर वह राजनीति, जिसने दशकों तक भारतीय समाज को जाति, क्षेत्र, तुष्टीकरण और प्रतीकात्मक धर्मनिरपेक्षता की रेखाओं में बांटकर सत्ता का गणित साधने का प्रयास किया।

विडंबना यह है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर प्रश्न वही कांग्रेस उठा रही है, जिसका राजनीतिक इतिहास स्वयं लोकतांत्रिक संस्थाओं के केंद्रीकरण, आपातकाल, तुष्टीकरण और वोटबैंक की राजनीति से जुड़ा रहा है। भारतीय राजनीति का यह शायद सबसे बड़ा विरोधाभास है कि जिसने लोकतंत्र पर आपातकाल थोपकर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का गला घोंटा, वही दल आज लोकतांत्रिक मूल्यों और राष्ट्रभक्ति का प्रमाणपत्र बांटने का प्रयास कर रहा है।

राहुल गांधी की टिप्पणी को यदि केवल चुनावी बयान मानकर छोड़ दिया जाए, तो यह अधूरा विश्लेषण होगा। दरअसल यह उस वैचारिक असहजता का परिणाम है, जो पिछले एक दशक में भारत की राजनीति में आए बड़े परिवर्तन के कारण उत्पन्न हुई है। लंबे समय तक राष्ट्रवाद को संदेह और संकोच के घेरे में रखने वाली राजनीति अब स्वयं वैचारिक रक्षात्मकता में खड़ी दिखाई दे रही है।

नरेंद्र मोदी का उदय केवल एक नेता का उदय नहीं था। वह उस भारत के पुनरुत्थान का प्रतीक था, जो दशकों तक अपनी सांस्कृतिक पहचान को राजनीतिक संकोच में जीता रहा। पहली बार राष्ट्रवाद केवल चुनावी नारा नहीं रहा, वह शासन का दर्शन बना।

विदेश नीति से लेकर सुरक्षा नीति तक, सांस्कृतिक पुनर्जागरण से लेकर आत्मनिर्भरता तक, भारत ने स्वयं को एक आत्मविश्वासी राष्ट्र के रूप में प्रस्तुत करना शुरू किया।यही वह बिंदु है, जहां कांग्रेस की वैचारिक बेचैनी सबसे अधिक स्पष्ट होती है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को लेकर कांग्रेस की असहजता नई नहीं है। स्वतंत्रता के बाद से ही संघ को संदेह की दृष्टि से देखने का एक स्थायी राजनीतिक आग्रह कांग्रेस के भीतर रहा। क्योंकि संघ सत्ता आधारित संगठन नहीं है, वह समाज आधारित वैचारिक शक्ति है। उसकी जड़ें चुनावी राजनीति में

नहीं, बल्कि सामाजिक संगठन, सेवा और सांस्कृतिक चेतना में हैं।

विश्व के सबसे विशाल सांस्कृतिक संगठन 'संघ' ने शाखा की अनुशासित पंक्ति में राष्ट्रप्रेम के संस्कार बोये, समाज के प्रत्येक क्षेत्र में सेवा, समरसता और संगठन का भाव जगाया।

भारत की आत्मा को आत्मविश्वास दिया, बिखरे समाज को एकात्मता के सूत्र में पिरोया, राष्ट्रवाद को जीवन का आधार बनाया और अखंड भारत के निर्माण के दिव्य संकल्प से जन-जन को जोड़ने का कार्य किया।

यही कारण है कि संघ को केवल राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी की तरह परिभाषित करना संभव नहीं रहा। आपदा हो, महामारी हो, बाढ़ हो, भूकंप हो या सामाजिक संकट, संघ के स्वयंसेवक बिना प्रचार और राजनीतिक लाभ की अपेक्षा के सबसे पहले मैदान में दिखाई देते हैं। गांवों, वनवासी क्षेत्रों, सीमांत समाज और शिक्षा के क्षेत्र में दशकों से चल रहे कार्यों ने संघ को समाज के भीतर गहरी स्वीकार्यता दी है। यही सामाजिक स्वीकार्यता कांग्रेस की सबसे बड़ी वैचारिक असहजता का कारण बनती रही है।

दरअसल कांग्रेस की राजनीति लंबे समय तक 'छद्म धर्मनिरपेक्षता' पर आधारित रही। इफ्तार राजनीति, तुष्टीकरण आधारित भाषण, पहचान-आधारित गठजोड़ और वोटबैंक की रणनीतियों को धर्मनिरपेक्षता का पर्याय बना दिया गया। इस राजनीति में राष्ट्रवाद को अक्सर संदेह की दृष्टि से देखा गया, सांस्कृतिक प्रतीकों को 'बहुसंख्यकवाद' कहकर खारिज किया गया और भारत की सभ्यतागत चेतना को राजनीतिक विमर्श में हाशिए पर रखने का प्रयास हुआ।

लेकिन भारत का सामाजिक मानस बदल चुका है। आज का भारत अपनी सांस्कृतिक पहचान को लेकर अपराधबोध में नहीं जीता। वह काशी विश्वनाथ धाम के पुनरुत्थान को भी स्वीकार करता है और चंद्रयान की सफलता पर भी गर्व करता है। वह राम मंदिर को भी अपनी सभ्यता का प्रतीक मानता है और 'आत्मनिर्भर भारत' को भी राष्ट्रीय स्वाभिमान का विस्तार समझता है। यही 'नया भारत' कांग्रेस की पुरानी राजनीतिक भाषा को अप्रासंगिक बना रहा है।

यही कारण है कि जब भारत सर्जिकल स्ट्राइक करता है, सीमाओं पर निर्णायक रुख अपनाता है, आतंकवाद पर कठोर नीति लागू करता है और वैश्विक मंचों पर आत्मविश्वास से अपनी बात रखता है, तब कांग्रेस का वैचारिक संकट और गहरा होता जाता है।

सवाल यह भी है कि 'गद्दारी' का नैतिक अधिकार किसके पास है? क्या राष्ट्रभक्ति पर उपदेश देने का अधिकार उन लोगों को है, जिन्होंने सर्जिकल स्ट्राइक पर सेना से सबूत मांगे? क्या नैतिकता का दावा वे लोग कर सकते हैं, जिन्होंने विदेशी मंचों पर भारत की लोकतांत्रिक संस्थाओं और छवि को कठघरे में खड़ा किया? क्या राष्ट्रवाद पर प्रश्न उठाने वाले यह भूल सकते हैं कि वर्षों तक अलगाववादी राजनीति और तुष्टीकरण आधारित समीकरणों ने देश को कितनी बड़ी वैचारिक क्षति पहुंचाई?

कश्मीर में वर्षों तक अलगाववादी तत्वों के प्रति दिखाई गई राजनीतिक नरमी, यासीन मलिक जैसे चेहरों के प्रति सत्ता प्रतिष्ठानों की अस्वाभाविक सहजता और पंजाब में अस्थिरता के दौर में वोटबैंक आधारित राजनीतिक समीकरणों ने देश की एकता को गहरी चोट पहुंचाई। विडंबना यह है कि राष्ट्रवाद पर प्रश्न वही राजनीति उठा रही है, जिसने कई बार राष्ट्रीय सुरक्षा और वैचारिक स्पष्टता के स्थान पर तुष्टिकरण और राजनीतिक सुविधा को प्राथमिकता दी।

भारत की जनता अब इन प्रश्नों को समझती है। यही कारण है कि कांग्रेस की भाषा जितनी तीखी होती जा रही है, उसका जनाधार उतना ही सिमटता जा रहा है। क्योंकि राजनीतिक आक्रोश और वैचारिक आत्मविश्वास में अंतर होता है। आत्मविश्वास संवाद करता है, हताशा आरोप लगाती है। राहुल गांधी की टिप्पणी को इसी राजनीतिक अधैर्य और वैचारिक संकट के संदर्भ में पढ़ा जाना चाहिए।

राष्ट्रसेवा, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और भारत की एकात्म चेतना को निरंतर सशक्त कर रहे प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और 'संघ' के प्रति कांग्रेस की वैचारिक असहजता स्वाभाविक है।

दरअसल लोकतंत्र में आलोचना आवश्यक है। नरेंद्र मोदी की नीतियों का विरोध भी लोकतांत्रिक अधिकार है।

क्वाड आपकी रोजमर्रा की जिंदगी को कैसे बदल रहा है?

अमेरिका को अब समझ आया भारत-जापान-ऑस्ट्रेलिया का मतलब

(वरुण शैलेश)

विदेश मंत्री के निमंत्रण पर मार्को रुबियो, ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वांग और जापान के विदेश मंत्री तोसीमित्सु मोतेगी बैठक में शामिल होने के लिए भारत आएंगे।? अमेरिका काअचानक भारत को लेकर रुख बदला हुआ नजर आ रहा है। पिछले कुछ दिनों में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का भारत को लेकर जैसा रवैया और पाकिस्तान की तरफ झुकाव रहा है, वैसे में कहा जाने लगा था कि क्वाड का महत्व खत्म हो गया। लेकिन 26 मई को दिल्ली में होने वाली क्वाड के सदस्य देशों की बैठक से पहले अमेरिकी दूतावास ने इस संगठन के महत्व को रेखांकित किया है।

क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक की मेजबानी करेगा भारत

अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो क्वाड सदस्य देशों की बैठक में हिस्सा लेने के लिए भारत आ रहे हैं। क्वाड में भारत, ऑस्ट्रेलिया, जापान और अमेरिका शामिल हैं। इसका मकसद वैश्विक भलाई के लिए सहयोग करना और एक स्वतंत्र, खुला, समावेशी, समृद्ध तथा लचीला इंडो-पैसिफिक क्षेत्र सुनिश्चित करना है। भारत 26 मई को नई दिल्ली में क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक की मेजबानी करेगा। विदेश मंत्री के निमंत्रण पर मार्को रुबियो, ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वांग और जापान के विदेश मंत्री तोसीमित्सु मोतेगी बैठक में शामिल होने के लिए भारत आएंगे।

अमेरिका ने जाहिर किया क्वाड का महत्व- इस बीच, नई दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास ने क्वाड के महत्व को बताया। एक्स पोस्ट में अमेरिकी दूतावास ने लिखा, क्वाड आपकी रोजमर्रा की जिंदगी को कैसे बदल रहा है? उसने कहा, क्वाड पर्दे के पीछे रहकर यह सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहा है कि हमारा इलाका स्थिर और समृद्ध बना रहे। इसमें जरूरी सप्लाई चेन को सुरक्षित करना, व्यापार मार्गों की रक्षा करना, टेक्नोलॉजी साझा करना और मानवीय सहायता देना शामिल है। एक स्वतंत्र और खुला इंडो-पैसिफिक बनाना सिर्फ एक लक्ष्य नहीं है; यह हमारे हर काम का आधार है।

क्वाड सदस्यों के विदेश मंत्रियों की बैठक की मेजबानी

बता दें कि चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद (क्वाड) के सदस्य देशों के विदेश मंत्री भारत की मेजबानी में मंगलवार को होने वाली बैठक में पश्चिम एशिया संकट के प्रभाव और हिंद-प्रशांत क्षेत्र की मौजूदा स्थिति पर विचार-विमर्श करेंगे।

विदेश मंत्रालय (एमईए) ने कहा कि नई दिल्ली में होने वाली इस बैठक में अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो, ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग और जापान के विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोटेगी शामिल होंगे। विदेश मंत्री एस. जयशंकर इस बैठक की अध्यक्षता करेंगे।

रुबियो, वोंग और मोटेगी के जयशंकर के साथ अलग-अलग द्विपक्षीय बैठकें करने के अलावा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात करने की भी संभावना है।

विदेश मंत्रालय ने कहा, ''मंत्री क्वाड के मुक्त एवं खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र संबंधी दृष्टिकोण के अनुरूप एक जुलाई 2025 को वाशिंगटन डीसी में हुई चर्चाओं को आगे बढ़ाएंगे।''

मंत्रालय ने कहा, ''वे प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में क्वाड सहयोग को आगे बढ़ाने पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे, क्वाड की जारी पहलों की प्रगति की समीक्षा करेंगे और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में हालिया घटनाक्रम एवं आपसी चिंता के अन्य अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा करेंगे।''

भारत, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान का यह समूह हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और स्थिरता पर ध्यान केंद्रित करने वाले एक प्रमुख समूह के रूप में उभरा है।

बैठक की तैयारियों से परिचित अधिकारियों ने बताया कि क्वाड देशों के विदेश मंत्री यूक्रेन और पश्चिम एशिया में संघर्षों सहित गंभीर वैश्विक चुनौतियों पर विचार-विमर्श करेंगे और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग की समीक्षा करेंगे। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती आक्रामकता देखी जा रही है।

समुद्री सुरक्षा के लिए अहम है क्वाड

क्वाड ने पिछले कुछ वर्षों में हिंद-प्रशांत क्षेत्र की कुछ सबसे अहम जरूरतों और चुनौतियों से निपटने के लिए कई पहल शुरू की हैं।

इस समझौते को सभी समझौतों की जननी कहा गया है। इसके अलावा अब कनाडा, इजराइल, रूस, पेरू, चिली, दक्षिण अफ्रीका और मेक्सिको के साथ मुक्त व्यापार समझौतों पर काम में भी तेजी लानी होगी। साथ ही इस बात का ध्यान रखना जरूरी है कि अभी अमेरिका के साथ व्यापार समझौते में जल्दबाजी नहीं की जाए।

श्रम कानूनों को सरल एवं प्रभावी बनाए जाने से भारत का सेवा निर्यात भी तेजी से बढ़ाया जा सकता है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की ओर से वैश्विक सेवा निर्यात पर किए गए अध्ययन में कहा गया है कि हाल के दशकों में भारत से सेवाओं का निर्यात वस्तुओं की तुलना में कहीं तेजी से बढ़ा है। ये ऐसी सेवाएं हैं, जिन्हें बिना भौतिक निकटता के सीमाओं के पार पहुंचाना आसान है। यानी जैसे-जैसे दूरी का महत्त्व कम होता जा रहा है और डिजिटल व्यापार बढ़ रहा है, वैसे-वैसे भारत से सेवाओं का निर्यात भी बढ़ रहा है। ऐसे में भारत से सेवा निर्यात में वृद्धि के लिए सेवाओं की गुणवत्ता, दक्षता, उत्कृष्टता और सुरक्षा को लेकर अधिक प्रयास करने होंगे। युवाओं को कृत्रिम मेधा यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में भी दक्ष बनाना होगा, जिससे सेवा निर्यात की विकास दर को बढ़ाने में मदद मिलेगी।यह बात भी महत्त्वपूर्ण है कि विकास दर बढ़ाने के लिए प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आकर्षित करने के वास्ते व्यापक स्तर पर प्रयास करने होंगे। उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग के तहत काम करने वाली एजेंसी 'इन्वेस्ट इंडिया' ने हाल में अपनी रिपोर्ट में कहा है कि दुनिया के दस प्रमुख देश भारत में उद्योग-कारोबार के दस महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में 45 अरब डॉलर का निवेश करने के इच्छुक हैं।

महंगाई और वैश्विक संकटों के बीच धीमी पड़ती विकास की रफ्तार और अर्थव्यवस्था में सुस्ती के संकेत

एशियाई विकास बैंक की हाल ही में जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि चालू वित्त वर्ष 2026-27 में भारत की विकास दर में 0.6 प्रतिशत की कमी आ सकती है। पिछले वित्तीय वर्ष 2025-26 में देश की विकास दर 7.6 प्रतिशत थी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की नई रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच वर्ष 2026-27 में भारत की विकास दर 6.5 प्रतिशत रह सकती है। संयुक्त राष्ट्र और विश्व बैंक ने भी भारत की विकास दर में कमी आने के संकेत दिए हैं। इन तमाम रिपोर्टों में कहा गया है कि पश्चिम एशिया संकट के कारण कच्चे तेल के ऊंचे दाम, व्यापार मार्ग और आपूर्ति श्रृंखला में बाधाएं, महंगाई, राजकोषीय घाटा, शेयर बाजार का कमजोर परिदृश्य और रुपए के मूल्य में गिरावट जैसे कारण भारत की तेज विकास दर के सामने चुनौती बन गए हैं।

(जयंतीलाल भंडारी)

भू-राजनीतिक उथल-पुथल और पश्चिम एशिया में युद्ध से उपजे संकट के बीच भारत को भी कई तरह की अनिश्चितताओं और चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इस स्थिति में वैश्विक एजेंसियों की अलग-अलग रिपोर्ट में भारत की विकास दर में कमी आने के संकेत सामने आ रहे हैं। अब देश में बढ़ती महंगाई से यह चुनौती और बड़ी होती दिख रही है। हाल ही में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में तीन-तीन रुपए की वृद्धि, खुदरा और थोक महंगाई दर के बढ़कर क्रमश- 3.48 प्रतिशत और 8.3 प्रतिशत हो जाने, निर्यात में कमी और आयात लागत में उछाल जैसे कारणों से अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ने लगा है।

ऐसे में विकास की संभावनाओं को मजबूत करने के लिए बहुआयामी रणनीति के साथ आगे बढ़ना होगा। इसके तहत मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) का बेहतर क्रियान्वयन, नए श्रम कानूनों को प्रभावी तरीके से लागू करना, निर्यात के नए बाजार तलाशना, सेवा निर्यात को मजबूत करना, प्रौद्योगिकी क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और सार्वजनिक डिजिटल ढांचे की मजबूती को प्रमुख आधार बनाना होगा।

एशियाई विकास बैंक की हाल ही में जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि चालू वित्त वर्ष 2026-27 में भारत की विकास दर में 0.6 प्रतिशत की कमी आ सकती है। पिछले वित्तीय वर्ष 2025-26 में देश की विकास दर 7.6 प्रतिशत थी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की नई रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच वर्ष 2026-27 में भारत

की विकास दर 6.5 प्रतिशत रह सकती है। संयुक्त राष्ट्र और विश्व बैंक ने भी भारत की विकास दर में कमी आने के संकेत दिए हैं। इन तमाम रिपोर्टों में कहा गया है कि पश्चिम एशिया संकट के कारण कच्चे तेल के ऊंचे दाम, व्यापार मार्ग और आपूर्ति श्रृंखला में बाधाएं, महंगाई, राजकोषीय घाटा, शेयर बाजार का कमजोर परिदृश्य और रुपए के मूल्य में गिरावट जैसे कारण भारत की तेज विकास दर के सामने चुनौती बन गए हैं।

निस्संदेह इस समय भारत को एफटीए और द्विपक्षीय व्यापार समझौतों का अधिकतम लाभ उठाने की जरूरत है। इसके मद्देनजर निर्यातकों को प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण जैसी आवश्यकताओं को पूरा करना होगा। इससे निर्यात के नए बाजारों में दस्तक देने की संभावनाएं बढ़ेंगी। इसमें दोराय नहीं कि दुनिया के विकसित और विकासशील देश भारत के साथ कारोबार बढ़ाने को लेकर उत्साहित नजर आ रहे हैं। इस समय आकार ले रही नई विश्व अर्थव्यवस्था भारत की ओर झुकी हुई प्रतीत होती है। इसी परिप्रेक्ष्य में भारत और न्यूजीलैंड के बीच एक ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर हुए। इसके तहत न्यूजीलैंड में 100 प्रतिशत भारतीय निर्यात पर शून्य शुल्क सुनिश्चित किया जाएगा। भारत भी न्यूजीलैंड के 95 प्रतिशत निर्यात पर शुल्क समाप्त या कम करेगा। खास बात यह है कि इस समझौते के तहत ऐसे कई उत्पादों को सूची से बाहर रखा गया है, जो भारत के किसानों और कृषि क्षेत्र के हितों से जुड़े हुए हैं। साथ ही न्यूजीलैंड ने भारत में अगले 15 वर्षों में 20 अरब डॉलर के प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की प्रतिबद्धता भी जताई है। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष भारत की ओर से ब्रिटेन और ओमान के साथ किए गए मुक्त व्यापार समझौतों का भी चालू वित्त वर्ष में क्रियान्वयन शुरू होगा। ये दोनों समझौते भारत से निर्यात बढ़ाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। साथ ही भारत-यूरोपीय संघ के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते का क्रियान्वयन भी देश के निर्यात को बढ़ाने में मददगार होगा। इससे दो अरब लोगों का विशाल बाजार बनेगा, जो वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का लगभग एक चौथाई हिस्सा होगा।

सुशासन तिहार शिविर से संवरी लखन लाल की राह

बलौदाबाजार। करहीबाजार के रहने वाले मछुआरे लखन लाल निषाद के जीवन में सुशासन तिहार शिविर एक नई उम्मीद और खुशहाली लेकर आया है। शिविर में आवेदन देने पर मछलीपालन विभाग द्वारा एक नग आइस बॉक्स प्रदान किया गया। पिछले 20 वर्षों से निरंतर मछली पालन के व्यवसाय से जुड़े लखन लाल को अपनी उपज को सुरक्षित रखने और उसे बाजार तक सही सलामत पहुँचाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। अपनी इसी समस्या के समाधान के लिए उन्होंने शासन द्वारा आयोजित सुशासन तिहार शिविर में पहुँचकर मछली पालन विभाग के स्टॉल में आवेदन प्रस्तुत किया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशानुरूप त्वरित कार्रवाई करते हुए विभाग द्वारा लखन लाल को तत्काल आइस बॉक्स (बर्फ की पेटी) प्रदान किया गया। इस सहायता से अब लखन लाल की सबसे बड़ी चिंता दूर हो गई है। आइस बॉक्स मिल जाने से अब वे पकड़ी गई मछलियों को लंबे समय तक ताजा रख सकेंगे, जिससे मछलियां खराब नहीं होंगी और उन्हें बाजार में अपनी उपज का बेहतर व सही दाम मिल सकेगा। दो दशकों की कड़ी मेहनत के बाद मिले इस आधुनिक सहयोग से उनके व्यवसाय में मुनाफे का एक नया रास्ता खुला है। अपनी इस बड़ी सफलता और जीवन में आए सकारात्मक बदलाव से बेहद खुश होकर लखन लाल निषाद ने संवेदनशील मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति सहृदय आभार व्यक्त किया है और कहा है कि साय सरकार की यह जनकल्याणकारी योजनाएं सीधे तौर पर जमीन से जुड़े जरूरतमंद लोगों को संबल प्रदान कर रही हैं।

ऐतिहासिक कल्याण सागर के अस्तित्व को अवैध कब्जा से खतरा

लोगों ने 18 एकड़ में स्थित तालाब को बचाने प्रशासन से गुहार लगाई

भाटापारा। शहर के सबसे पुराने व सबसे बड़े ऐतिहासिक महत्व के कल्याण सागर तालाब इन दिनों प्रशासन की उपेक्षा के चलते गंदगी व अवैध कब्जे से घिरकर अपने अस्तित्व बचाने के लिए संघर्षरत है। क्षेत्र के प्रसिद्ध दानवीर स्वर्गीय दाऊ कल्याण सिंह द्वारा सन् 1938 में क्षेत्र में पड़े भीषण अकाल के दौरान प्रजा को राहत देने के उद्देश्य से लगभग 18 एकड़ भूमि पर विशाल सरोवर का निर्माण कराया गया था । उस वक्त तालाब का पानी इतना अधिक साफथा कि लोग उसे पेयजल के रूप में भी उपयोग कर सकते थे और बाहर से बैलगाड़ी में अपना धान व उन्हारी बेचने आये दुर दुर से किसान कल्याण सागर के तट के बाहर डेरा डालकर वहीं पर भोजन पकाने व विश्राम करने का काम करते थे। लेकिन समुचित देखरेख के अभाव में कल्याण सागर का ऐतिहासिक तालाब चारो तरफ गंदगी व अवैध कब्जे से इस कदर घिर गया है कि भविष्य में कल्याण सागर तालाब बचेगा की नही यह कोई नही बता सकता क्योकि मौजुदा समय में अवैध कब्जे से तालाब के चारो तरफ निर्माण कार्य धड़ल्ले से चल रहा है, जिसको रोकने में प्रशासन पुरी तरह विफल साबित हो रहा है। तालाब के तट के चारो दिशाओं में सैकड़ो मकान, दुकान बना लिये गये है। वहीं अब चलने के स्थान पर भी लोग अवैध कब्जा करके अवैध निर्माण कार्य बेखौफ रूप से कर रहे है जिसके कारण तालाब तट के चारो तरफ चलने का रास्ता भी अब खतरे में पड़ गया है। वहीं गंदे जल की निकासी सीधे तालाब में किये जाने के कारण तालाब का पानी पुरी तरह प्रदुषित हो चुका है। लगभग 20 वार्डों के आम नागरिक जिनके घरों में किसी ना किसी की मृत्यु पर समय बे समय सभी लोग नहावन से दशगात्र कार्य करने कल्याण सागर तालाब पहुंचते है। लेकिन अथाह गंदगी एवं अवैध कब्जे के कारण सफाई कार्य करने में भी अब अड़चन उत्पन्न होने लगा है। वर्तमान समय में कल्याण सागर तालाब में अथाह जलकुंभी व गंदगी हो जाने की वजह से तालाब का पानी बदबु मार रहा है जिससे उस क्षेत्र में असहनीय बदबु व गंदगी का वातावरण बना हुआ है। जनहित में प्रसिद्ध दानवीर स्वर्गीय दाऊ कल्याण सिंह की बहुमुल्य धरोहर कल्याण सागर तालाब को बचाने के लिए जिला प्रशासन आवश्यक पहल करते हुए वहां पर व्याप्त अवैध कब्जा, गंदगी को हटाने सार्थक पहल करें ताकि दानवीर की बहुमुल्य संपदा सुरक्षित व संरक्षित रह सकें।

सुशासन तिहार के अंतिम चरण में रामसागर वार्ड में भव्य शिविर का आयोजन

जनसमस्याओं के त्वरित निराकरण एवं योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर रहा विशेष जोर

भाटापारा। छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी पहल सुशासन तिहार के अंतिम एवं निर्णायक चरण के अंतर्गत भाटापारा नगर के रामसागर वार्ड में एक विशेष जनसंपर्क शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस शिविर में नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा के नेतृत्व में जनप्रतिनिधिगण, वरिष्ठ नागरिक, महिलाएँ एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

जनता से सीधा संवाद समस्याओं की सुनवाई

शिविर में आमजन से आत्मीय एवं खुले वातावरण में संवाद स्थापित किया गया। नागरिकों ने अपने क्षेत्र की मूलभूत सुविधाओं सड़क, जल आपूर्ति, स्वच्छता, जल निकासी तथा सार्वजनिक अधोसंरचना से संबंधित समस्याएँ खुलकर रखीं। प्रत्येक आवेदन एवं सुझाव को गंभीरतापूर्वक सुना गया तथा संबंधित अधिकारियों को त्वरित एवं समयबद्ध निराकरण के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

शासन की योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुँचाई गई

शिविर में शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं आवास, स्वास्थ्य, शिक्षा, सामाजिक सुरक्षा एवं स्वरोजगार की विस्तृत जानकारी नागरिकों को उपलब्ध कराई गई। पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ सरल एवं पारदर्शी प्रक्रिया से पहुँचाने पर विशेष बल दिया गया।

नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा का वक्तव्य

नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने इस अवसर पर कहा– सुशासन तिहार शासन और जनता के बीच संवाद को मजबूत करने का एक अत्यंत प्रभावी एवं सार्थक माध्यम है। जनता की समस्याओं का समाधान हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें कोई समझौता नहीं होगा। रामसागर वार्ड के नागरिकों ने जो समस्याएँ एवं सुझाव रखे हैं, उन पर त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। आमजन की सहभागिता और उनके सुझावों के आधार पर हम क्षेत्र के विकास को नई गति प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। हमारा यह दृढ़ संकल्प है कि शासन की प्रत्येक जनहितकारी योजना का लाभ पात्र व्यक्ति तक सरलता, समयबद्धता और पूर्ण पारदर्शिता के साथ पहुँचे। जनता का विश्वास ही हमारी सबसे बड़ी पूँजी है और उस विश्वास को बनाए रखना हमारी जिम्मेदारी। शिविर का समापन भविष्य में भी इसी प्रकार निरंतर जनसंपर्क एवं जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता के संकल्प के साथ हुआ। इस अवसर पर सभापति गोविंद पटेल कुंजराम कोशले मनीष मिश्रा पार्षद बब्बू मंधान संतोष साहू बंटी टंडन, नरेंद्र यदु, चंद्रशेखर चक्रधारी, राजेश साहू दशरथ साहू पूर्व पार्षद व्यास यदु पूर्व एल्डरमैन राकेश मंधान नीरा साहू आयशा खान मधु सोनी समस्त विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, वार्डवासी एवं नागरिकगण उपस्थित रहे।

सुशासन तिहार का उद्देश्य – अंतिम व्यक्ति तक विकास की रोशनी

सुशासन तिहार अभियान का मूल उद्देश्य शासन एवं जनता के मध्य संवाद को सशक्त, पारदर्शी एवं जवाबदेह बनाना है। इस अभियान के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक भी शासन की योजनाओं का लाभ एवं विकास की सुविधाएँ सहजता से पहुँचें। जनभागीदारी एवं जनसहयोग को इस अभियान की आत्मा बनाते हुए समग्र क्षेत्रीय विकास के प्रति दृढ़ संकल्प व्यक्त किया गया।

मयूर शिशु मंदिर विद्यालय ने नगर पालिका को चुकाई वर्षों से लंबित 11,94,461/- की कर राशि

भाटापारा। भाटापारा नगर पालिका कार्यालय में एक सौजन्यपूर्ण एवं सार्थक मुलाकात का आयोजन हुआ, जिसमें मयूर शिशु मंदिर विद्यालय के पदाधिकारियों एवं मयूर परिवार के सदस्यों ने नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा से भेंट की। इस मुलाकात के दौरान विद्यालय से जुड़े विभिन्न विषयों पर गहन एवं सार्थक चर्चा की गई तथा सामाजिक दायित्वों एवं जनहित से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन द्वारा एक अत्यंत महत्वपूर्ण एवं सराहनीय कदम उठाते हुए वर्षों से लंबित 11,94,461/- रुपये (ग्यारह लाख चौरानवे हजार चार सौ इकसठ रुपये) की कर राशि का चेक के माध्यम से नगर पालिका को भुगतान किया गया। यह कदम संस्थागत जिम्मेदारी एवं नागरिक उत्तरदायित्व के प्रति विद्यालय की प्रतिबद्धता को स्पष्ट रूप से दर्शाता है तथा समाज के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करता है। इस महत्वपूर्ण अवसर पर मयूर परिवार के अध्यक्ष अशोक बाजपेयी, उपाध्यक्ष रविन्द्र जैन एवं कोषाध्यक्ष विजय मल की गरिमामयी उपस्थिति रही। इन पदाधिकारियों ने नगर पालिका अध्यक्ष के साथ नगर विकास एवं शैक्षणिक संस्थाओं की सामाजिक भूमिका पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। नगर पालिका की ओर से विद्यालय प्रबंधन एवं मयूर परिवार के पदाधिकारियों की इस सराहनीय पहल के लिए हार्दिक आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया गया। यह पहल न केवल नगर के राजस्व संग्रह को सुदृढ़ करती है, बल्कि नगर विकास एवं सामाजिक सहभागिता की दिशा में भी एक सशक्त एवं सकारात्मक संदेश देती है। नगर पालिका प्रशासन ने आशा व्यक्त की कि ऐसे प्रयास भविष्य में भी जारी रहेंगे एवं अन्य संस्थाएँ भी इससे प्रेरणा लेकर अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगी। नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने इस अवसर पर अपने उद्गार व्यक्त करते हुए कहा– समाज और संस्थाओं की सकारात्मक भागीदारी से ही विकास कार्यों को नई गति मिलती है। मयूर शिशु मंदिर विद्यालय द्वारा अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए वर्षों से लंबित कर राशि का भुगतान किया जाना अत्यंत सराहनीय है।

ऐसे प्रयास अन्य संस्थाओं के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेंगे और जनहित के कार्यों को और अधिक मजबूती प्रदान करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि जब शैक्षणिक संस्थाएँ और सामाजिक संगठन अपने नागरिक दायित्वों के प्रति सजग होते हैं, तो नगर विकास की गति स्वतः तीव्र होती है। उन्होंने मयूर परिवार की इस पहल को नगर भाटापारा के लिए एक ऐतिहासिक एवं प्रेरणादायक क्षण बताया।

धमतरी में जैन संतों का मंगल प्रवेश, जैन समाज में खुशी की लहर

धमतरी। खरतरगच्छाधिपति एवं खरतरगच्छ के 82 वें पट्टधर जिन सागरसूरि म.सा. के शिष्य, खरतरगच्छाधिपति एवं खरतरगच्छ के 83 वें पट्टधर जिन कैलाश सागरसूरि म.सा. के पाट पर विराजमान, खरतरगच्छ सहस्त्राब्दी महामहोत्सव के प्रेरक, खरतरवसहि के प्रेरक, नमिऊण-लब्धिनिधान तीर्थ के प्रणेता, अजमेर दादाबाड़ी जीर्णोद्धारक, मृदुभाषी, ऋजुमना, सौम्यमूर्ति, युगनायक धर्मशिरोमणि, खरतरगच्छ के वर्तमान पट्टधर आचार्य जिन पीयूष सागर सूरीश्वर महाराज नूतन आचार्य जिन सम्यकरत्न सागर सूरीश्वर महाराज आदि ठाना 5 का धर्म नगरी धमतरी में गाजे बाजे के साथ संघवी लक्ष्मीलाल लूनिया के निवास स्थान से श्री पार्श्वनाथ जिनालय इतवारी बाजार में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रावक श्राविका उपस्थित रहे। मंगल प्रवेश के समय छोटे छोटे बच्चे वेदांश छाजेड़, रियांश छाजेड़, उदित लुनिया, रिद्धिक बैद, मौली गोलछा, आरवी संचेती रिया गोलछा, प्रिशा गोलछा, आरु स्केटिंग पहनकर गुरु भगवंतों का स्वागत किए तथा साथ चले। महिला मंडल द्वारा मांगलिक कलश से बधाया गया। एवं मनीषा कटारिया द्वारा जिनालय में सुंदर गौली बनाई गई। महिला मंडल एवं विमल पारख द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। पूनम गोलछा ने अपने विचार रखे। उसके बाद नूतन आचार्य सम्यकरत्न सागर महाराज साहेब का प्रवचन हुआ। परम पूज्य नूतन आचार्य सम्यकरत्न सागर महाराज साहेब ने अपने प्रवचन के माध्यम से फरमाया कि अमृत अनुष्ठान के 3 लक्षण है। जिस क्रिया से मन गदगद हो जाये, आँखो में हर्ष के आंसू आ जाए और वाणी रोमांचित हो जाए। जिसके जीवन में ये तीन लक्षण दिखाई दे, तो मान के चलना वो जीव अल्प संसारी है। ये लक्षण अल्प समय में प्राप्त नहीं हो सकता। इस प्रकार के लक्षण जीवन में आए इसके लिए लंबे समय से प्रयास करना पड़ता है। जो भक्त अंतर्भाव से आराधना साधना निरंतर करता है वही शाश्वत सुख को प्राप्त कर सकता है। सार्थक परिणाम प्राप्त करने के लिए सार्थक प्रयास भी करना पड़ता है। एक बार भगवान अपने एक भक्त के पास आकर पूछता है। तुम्हारे पास ये गाड़ी, बंगला, मकान, धन दौलत है ये सब किसका है। भक्त कहता है भगवान ये सब आपका है। आगे बढ़ते बढ़ते भगवान पूजा स्थल पर पहुंच जाते है और फिर भक्त से पूछते है। ये पूजा स्थल किसका है। भक्त फिर कहता है आपका है। उसके बाद प्रतिमा की ओर इशारा करके भगवान फिर पूछते है ये किसका है। भक्त कहता है। ये प्रतिमा मेरी है। भक्त कहता है। भगवान आपकी और मेरी आत्मा एक समान है। बस अंतर इतना है कि आपने अपने कर्मो का नाश कर लिया है और मैं अपने कर्मों के कारण ही इस संसार में अब तक भटक रहा हूँ। इसलिए ये प्रतिमा मेरी है। इस मानव जीवन में हमें जो दुर्लभ समय मिला है उसे आत्म कल्याण के लिए उपयोग करना है। अर्थात वो समय परमात्मा के लिए परमात्मा की तरह बनने के लिए उपयोग करना है। अगर हम इस समय का सदुपयोग नहीं कर पाए तो पता नहीं फिर से मानव जीवन कब मिलेगा। हम अपने सांसारिक जीवन में बचे हुए समय का उपयोग धार्मिक कार्यों में करते है। जबकि ज्ञानी भगवंत कहते है हमें धार्मिक कार्यों को प्राथमिकता से करना चाहिए। हमारे पास संसार की सबसे कीमती चीज समय परमात्मा के लिए, धर्म के लिए, गुरु के लिए नहीं है।

फुलझर नाई समाज द्वारा विद्यार्थी सम्मान समारोह आयोजित

सरायपाली। फुलझर नाई समाज द्वारा समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का सम्मान समारोह समाजिक भवन में माताजी के पूजा अर्चना के बाद आयोजित किया गया। इस समारोह की मुख्य अथिति पाइकमाल उड़िसा की समाज सेविका डॉ. दीपा बारीक थी। कार्यक्रम की अध्यक्षता फुलझर नाई समाज के पूर्व अध्यक्ष संतलाल बारीक द्वारा किया गया। इस समारोह में विशेष रूप से अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल की हाईस्कूल परीक्षा 2026 में प्रथम स्थान प्राप्त छात्रा कु. संध्या नायक उपस्थित थी। अन्य विशिष्ट अतिथि गौरीशंकर बारीक, सभापति बारीक समाज पाइकमाल रमेश बारीक सचिव पाइकमाल उड़िसा श्रीवत्स कुमार पसायत पूर्व प्राचार्य शासकीय महाविद्यालय सरायपाली, मनोहर पसायत, राधेश्याम पसायत, विपीन पसायत उड़िसा, संतोष बारीक उपस्थित थे। वर्ष 2026 की बोर्ड परीक्षा में फुलझर नाई समाज के उत्कृष्ट अंकों से उत्तीर्ण विद्यार्थीयों का समाज जनों द्वारा पुष्पहार एवं तिलक लगाकर स्वागत किया गया एवं अन्य अतिथियों ने सम्मान पत्र तथा मोमेन्टो देकर प्रतिभावान विद्यार्थीयों को सम्मानित किया कार्यक्रम में बड़ी संख्या में फुलझर नाई समाज के समाजजन प्रतिभावान विद्यार्थी एवं पालकगण उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में श्याम कुमार पसायत उपाध्यक्ष महासभा , धनमाली बारीक शाखा अध्यक्ष बसना सांकरा बजमोहन बारीक शाखा अध्यक्ष सरायपाली परशुराम बारीक, बासुदेव बारीक, उपेन्द्र बारीक, परमानंद बारीक, केशरीनंदन सेन, देवराज बारीक, खिरोद्र बारीक, मकरध्वज बारीक, डोलेश पसायत, भगतराम यशेत नारायण बारीक एवं सभी समाजजनों का सराहनीय सहयोग रहा कार्यक्रम का संचालन महासभा अध्यक्ष सूर्यभानु बारीक तथा आभार प्रदर्शन फुलझर नाई समाज के संस्थापक जयकृष्ण बारीक द्वारा किया गया।

नियम विरूद्ध कार्य करने वाले बेलगाम राजस्व अधिकारी पर आखिर कार्यवाही क्यों नहीं..?

सुशासन तिहार पर नागरिकों ने उठाये सवाल

धमतरी। राजस्व विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार और अधिकारी द्वारा डायवर्सन मामले में दर्ज प्रकरण में आवेदक के उपस्थिति का हस्ताक्षर ऑर्डर शीट में नहीं है। उसके बाद भी 13.2.26 को प्रकरण दर्ज कर मात्र राजस्व निरीक्षक, परिवर्तित शाखा नगरी से प्रतिवेदन प्राप्त कर आदेश कर दिया गया। प्रस्तुत शपथ पत्र में उल्लेखित 1 से 21 बिंदु में दर्शित बिंदु क्रमांक 16, 17 एवं 18 को लेकर किसी भी प्रकार का एनओसी, दस्तावेज प्रस्तुत नहीं है। इसी प्रकरण में ग्राम नगर निवेश एवं नगर पंचायत नगरी का कोई भी अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रस्तुत नहीं किया गया है जिससे यह डायवर्सन मात्र कुछ दिनों में ही कर दिया गया। इसी तरह इस अनुविभाग के अंतर्गत अनेक ऐसे आदेश हैं जिसमें नगर निवेश, नगर पंचायत की अनापत्ति प्रमाण पत्र नहीं है। साथ ही इस मामले में नगर पंचायत नगरी द्वारा आपत्ति भी प्रस्तुत की गई थी जिसे नजरअंदाज कर ऐसे आदेश किये गये हैं जो पूरी तरह नियम विरूद्ध है। कुछ प्रकरणों में ग्राम पंचायत की जो एनओसी लगाई गई है, वह भी आधी अधूरी है। सूचना के अधिकार से प्राप्त दस्तावेजों के अनुसार ज्ञात हुआ है कि अधिकांश डायवर्सन प्रकरण 10.2.26 से 13.2.26 की अवधि में पारित किया गया है। आवेदकों द्वारा शपथ पत्र में उल्लेखित बिंदु क्रमांक 16, 17, 18 का पालन नहीं किया गया है। प्रकरण क्रमांक 2026021306-00015 श्रीमति राखी वाघवानी पति अनिल कुमार वाघवानी द्वारा आवेदन में बताया गया है कि नगरी तहसील अंतर्गत ग्राम मोदे पहनं 24 के भूमि स्वामी हक में इनका नाम दर्ज है जिसमें औद्योगिक प्रयोजनार्थ व्यपवर्तन कराने बाबत आवेदन पेश किया गया है जिसमें नक्शा, खसरा, बी-1, ब्लू प्रिंट, शपथ पत्र संलग्न है। उसने आवेदन पत्र धारा 172(1), छग भू राजस्व संहिता 1959 में बताया है कि खसरा नंबर 337/4 रकबा 0.04 हे.भूमि को औद्योगिक प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराना चाहती है। लेकिन शपथ पत्र के अनुसार उसने बिंदु क्रमांक 16, 17, 18 से संबंधित कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया है और प्रभारी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व ने उक्त राजस्व प्रकरण राखी वाघवानी बनाम छग शासन में 19.2.2026 को आदेश पारित कर दिया गया। राखी वाघवानी के नाम पर खसरा नंबर 263ध्4 रकबा 0.0400 हे. भूमि को औद्योगिक प्रयोजनार्थ, खसरा नंबर 92/12 रकबा 0.0400 हे., खसरा नंबर 78/7 रकबा 0.0400 हे. को पृथक-पृथक प्रकरण डायवर्सन कराने आवेदन प्रस्तुत किया गया था। जबकि छग भू राजस्व संहिता की धाराओं के अंतर्गत एकल भूस्वामी, एक ही खसरा नंबर की भूमि को कई भागों में बांटकर डायवर्सन नहीं किया जा सकता। प्रभारी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व द्वारा श्रीमति बिंदु बघेल के आवेदन दिनांक 13.2.26 में अधिकारी द्वारा प्रकरण में आदेश पारित किया गया, पृथक से संलग्न है, प्रकरण नस्तीबद्ध किया जाता है, आदेशानुसार प्रकरण में डिमांड दर्ज किया जाकर आवेदक से निर्धारण/पुर्ननिर्धारण की राशि जमा कराने तथा अभिलेख दुरूस्ती हेतु प्रकरण तहसीलदार को भेजना, लिखा गया है। इसी महिला द्वारा खसरा नंबर 545/6 रकबा 0.2000 हे.में से रकबा 0.0400 हे.भूमि को आवासीय प्रयोजनार्थ व्यपवर्तन कराने के साथ साथ इसी खसरा नंबर 0.2000 हे. में से 0.0400 हे. भूमि को आवासीय प्रयोजनार्थ हेतु 4 प्रकरण दर्ज किये गये हैं। इसी प्रकार नागेंद्र शुक्ला के द्वारा 13 फरवरी 2026 को आवेदन प्रस्तुत किया गया जिसमें खसरा नंबर 279/2, 0.2400 हे. में से 0.0400 हे. भूमि को औद्योगिक प्रयोजनार्थ व्यपवर्तन कराने आवेदन किया गया है। उनके द्वारा खसरा नंबर 42 के चार प्रकरण डायवर्सन के प्रस्तुत किये गये थे जिसमें भी ग्राम नगर निवेश की अनापत्ति प्रमाण पत्र संलग्न नहीं है। डायवर्सन प्रकरण में विनय कुमार नारंग का आवेदन भी 10.02.26 को लगाया गया।

प्रकरण 10.02.26 को पेश किया गया जिसमें खसरा नंबर 1103/2 रकबा 0.0200 हे.(247.47 वर्ग मी.) भूमि को व्यवसायिक प्रयोजनार्थ व्यपवर्तन कराने आवेदन पेश किया। आवेदन पश्चात विभागीय पत्र में नगर पंचायत नगरी ने उक्त भूमि पर भू व्यपवर्तन हेतु आपत्ति दर्ज कराई है बावजूद तत्कालीन प्रभारी अधिकारी ने उक्त आपत्ति का बिना निराकरण किये डायवर्सन आदेश पारित कर दिया, जो संदेह के दायरे में है। महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि नगर पंचायत नगरी ने अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय को 20 फरवरी 2026 को अपनी आपत्ति जारी की थी जिसमें मुख्य नगर पालिका अधिकारी के हस्ताक्षर हैं। खबर के मुताबिक इन आवेदकों में से एक ने तो आदिवासी समाज के व्यक्ति के नाम की भूमि को राजस्व अधिकारी से मिलीभगत कर भूमि की अफरा-तफरी कर अपना पेट्रोल पंप संचालित कर रहा है। उक्त भूमि के अलावा क्षेत्र के अन्य कई भूमियों को भी राजस्व अधिकारी से मिलीभगत कर हथियाने वाला तथाकथित क्षेत्र का भूमाफिया के अन्य कारनामों का भी खुलासा बहुत जल्द होगा। इसे लेकर सूचना के अधिकार से जानकारी ली जा रही है किंतु उपरोक्त प्रकरणों में जिस प्रकार एक सोची-समझी योजना के तहत अधिकारी से सांठगांठ कर उपरोक्त डायवर्सन प्रकरणों का निराकरण करवाया गया है, उसे लेकर क्षेत्र के लोगों में भारी नाराजगी देखी जा रही है। इनका तर्क है कि 10 फरवरी 2026 को आवेदकों ने आवेदन दिया और उस पर 26 फरवरी तक सारे आदेश कर संभवतरू प्रदेश का यह पहला अनुविभाग होगा जहां अनेक डायवर्सन प्रकरणों में ऐसा आदेश किया गया है। खबर तो यह भी है कि प्रभारी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पूर्व में इसी क्षेत्र में तहसीलदार के पद पर पदस्थ रहे हैं जिनकी पदोन्नति के बाद उन्हें पीठासीन अधिकारी प्रीति दुर्गम के वैवाहिक अवकाश में चले जाने के कारण यह पद का प्रभार उक्त अधिकारी को सौंपा गया था जिन्होंने छग भू राजस्व संहिता के आदेशों का पालन न करते हुए मनमाने तरीके से उक्त डायवर्सन प्रकरण में आदेश किया है जिसे लेकर सिहावा, नगरी क्षेत्र की जनता ने कहा कि एक ओर प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा नागरिकों के समक्ष प्रशासन को जाकर उनकी सुध लेने का निर्देश दिया गया है जिसके तहत अधिकारी गांव गांव में शिविर लगा रहे हैं। लेकिन वहीं राजस्व अधिकारी के द्वारा नियम विरूद्ध डायवर्सन प्रकरण जैसे अनेक कार्य किये जा रहे हैं जो सुशासन तिहार में एक बदनुमा दाग की तरह चर्चित है। सुशासन तिहार पर नागरिकों ने सवाल खड़े करते हुए कहा कि नियम विरूद्ध कार्य करने वाले बेलगाम राजस्व अधिकारी पर अब तक आखिर कार्यवाही क्यों नहीं की गई है?

संक्षिप्त समाचार

प्रहार अभियान का बड़ा वार, 45 लीटर महुआ शराब संग आरोपी चढ़ा पुलिस के हत्थे

बिलासपुर। बिलासपुर के ग्राम जलसो में अवैध महुआ शराब का धंधा उस वक्त बेनकाब हो गया जब प्रहार अभियान के तहत कोनी पुलिस ने दबिश देकर 45 लीटर कच्ची महुआ शराब के साथ एक आरोपी को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। जिले में नशे और अवैध शराब कारोबार के खिलाफचल रही सख्त मुहिम के बीच यह कार्रवाई बुधवार 27 मई 2026 को सामने आई, जहां पेट्रोलिंग के दौरान थाना कोनी पुलिस की नजर ग्राम जलसो में संदिग्ध गतिविधियों पर पड़ी और जांच करते ही पूरा खेल खुल गया। पुलिस टीम ने मौके पर विशाल वर्मा पिता दिलहरण वर्मा निवासी ग्राम जलसो थाना कोनी जिला बिलासपुर को अवैध रूप से महुआ शराब रखते हुए पकड़ा। तलाशी में उसके कब्जे से 45 लीटर कच्ची महुआ शराब बरामद हुई जिसकी अनुमानित कीमत करीब 9 हजार रुपये बताई गई है। बताया जा रहा है कि जिले में अवैध शराब, गांजा और नशीले पदार्थों के खिलाफवरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बिलासपुर श्री रजनेश सिंह के निर्देश पर विशेष अभियान प्रहार चलाया जा रहा है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर श्री पंकज पटेल और नगर पुलिस अधीक्षक कोतवाली श्री गगन कुमार (डुक्कर) के मार्गदर्शन में थाना कोनी पुलिस लगातार निगरानी और पेट्रोलिंग कर रही थी। इसी दौरान आरोपी पुलिस के रडार पर आया और कार्रवाई की गई। पुलिस ने मौके पर शराब जप्त कर आरोपी के खिलाफधारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर विधिवत गिरफ्तार किया और उसे न्यायालय में पेश किया गया। बहरहाल, बिलासपुर पुलिस का साफसंदेश है कि अवैध शराब का कारोबार करने वालों के लिए अब जिले में बच निकलना आसान नहीं होगा।

गोबर खाद घोटाले में बड़ी कार्रवाई, मरवाही के तत्कालीन रेंजर रमेश खैरवार निलंबित

गौरेला-। वनमंडल मरवाही में हुए बहुचर्चित गोबर खाद घोटाले और कैंपा कार्यों में वित्तीय अनियमितताओं के मामले में वन विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। सहायक ग्रेड-2 भूपेंद्र साहू के निलंबन के बाद अब मरवाही के तत्कालीन रेंजर एवं वनक्षेत्रपाल रमेश कुमार खैरवार को भी तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। प्रधान मुख्य वन संरक्षक छत्तीसगढ़ द्वारा जारी आदेश के अनुसार विभागीय जांच में गोबर खाद खरीदी के नाम पर फर्जी भुगतान, संदिग्ध दस्तावेज और वित्तीय गड़बड़ियों में रमेश खैरवार की गंभीर लापरवाही और संलिप्तता प्रथम दृष्टया सही पाई गई है। जानकारी के मुताबिक रमेश खैरवार 14 अगस्त 2023 से 28 दिसंबर 2025 तक मरवाही परिक्षेत्र में पदस्थ रहे। इस दौरान सरकारी राशि के दुरुपयोग और अनियमितताओं की कई शिकायतें सामने आई थीं। इससे पहले कैंपा शाखा प्रभारी भूपेंद्र साहू को 14.77 लाख रुपए के अवैध लेखा समायोजन और फर्जी एलओसी तैयार करने के आरोप में सस्पेंड किया जा चुका है। यह मामला विधानसभा तक गूंज चुका है और लगातार दूसरी बड़ी कार्रवाई के बाद वन विभाग में हड़कंप मच गया है। सूत्रों के अनुसार फर्जी दस्तावेजों के जरिए हुए इस घोटाले की जांच अभी जारी है और आने वाले दिनों में विभाग के अन्य अधिकारियों पर भी कार्रवाई हो सकती है।

ऑपरेशन क्लीन हंट में रायगढ़ पुलिस का बड़ा शिकंजा, 230 फरार वारंटी गिरफ्तार

रायगढ़। जो अपराधी सालों से कानून की आंखों में धूल झोंककर फरार घूम रहे थे, रायगढ़ पुलिस ने उन्हें एक-एक कर ढूंढ निकाला और पूरे जिले में ऐसा शिकंजा कसा कि वारंटियों और निगरानी बदमाशों में हड़कंप मच गया। रायगढ़ जिले में 20 मई से 25 मई तक चलाए गए विशेष अभियान ऑपरेशन क्लीन हंट के तहत पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए कुल 230 फरार वारंटियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के निर्देशन में चलाए गए इस अभियान में 76 स्थायी वारंटी और 154 गिरफ्तारी वारंट की तामिली की गई। ये आरोपी लंबे समय से कोर्ट में पेश नहीं हो रहे थे और गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार ठिकाने बदल रहे थे। जिलेभर के थाना प्रभारियों को विशेष लक्ष्य देकर फरार आरोपियों की धरपकड़ के निर्देश दिए गए थे। अभियान में थाना घरघोड़ा ने सबसे ज्यादा 17 स्थायी वारंट तामील कर पहला स्थान हासिल किया, जबकि चक्रधरनगर ने 9 और लैलूंगा ने 7 स्थायी वारंट तामील किए। गिरफ्तारी वारंट तामिली में धरमजयगढ़ पुलिस ने 28 वारंट तामील कर पहला स्थान हासिल किया, वहीं चक्रधरनगर ने 27 और छाल पुलिस ने 22 गिरफ्तारी वारंट की तामिली की। कार्रवाई के दौरान थाना घरघोड़ा पुलिस ने लंबे समय से फरार चल रहे चिंता उर्फ चिंतामणि राठिया निवासी बरभौना थाना छाल और निगरानी बदमाश मोहसिन खान उर्फगुरु पठान को गिरफ्तार कर जेल भेजा।

गेवरा-दीपका और सीईडब्ल्यूएस में कोयला मजदूर सभा का ऐतिहासिक शक्ति प्रदर्शन,श्रमिकों ने थामा संगठन का दामन

■ केंद्रीय महामंत्री नाथूलाल पाण्डेय और संभाग प्रभारी केदार नाथ अग्रवाल की मौजूदगी में हुआ विशाल श्रमिक सम्मेलनय बिरेंद्र राठौर के नेतृत्व में दर्जनों कामगारों ने ली सदस्यता

कोरबा। कोयलांचल क्षेत्र के श्रमिक आंदोलन और संगठन विस्तार में बीते दिन एक ऐतिहासिक मील का पत्थर स्थापित हुआ। गेवरा स्थित माता कर्मा मंदिर भवन में 'कोयला मजदूर सभा' द्वारा एक विशाल श्रमिक सम्मेलन सह सदस्यता ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। इस भव्य समागम में गेवरा, दीपका और सीईडब्ल्यूएस (केंद्रीय कर्मशाला) क्षेत्र के सैकड़ों ऊर्जावान कोयला कामगारों ने एक साथ कोयला मजदूर सभा की प्राथमिक सदस्यता ग्रहण कर संगठन के प्रति अपना अटूट विश्वास व्यक्त किया। नए सदस्यों का पारंपरिक रूप से साफी और माला पहनाकर आत्मीय स्वागत किया गया। समारोह की शुरुआत अत्यंत गरिमामयी माहौल में हुई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कोयला मजदूर सभा के केंद्रीय महामंत्री नाथूलाल पाण्डेय एवं अध्यक्षता कर रहे संभागीय प्रभारी केदार नाथ अग्रवाल मौजूद रहे। स्थानीय पदाधिकारियों द्वारा अतिथियों का पुष्पमालाओं, गगनभेदी नारों और बुके भेंट कर भव्य स्वागत किया गया। इस वृहद सभा का कुशल और ऊर्जावान मंच संचालन दीपका क्षेत्र के कद्दावर नेता व केंद्रीय मंत्री गिरिजा साहू द्वारा किया गया। इस ऐतिहासिक अवसर पर कोयला मजदूर सभा की रीति-नीति से प्रभावित होकर सदस्यता ग्रहण करने वाले नए सदस्यों में मुख्य रूप से बिरेंद्र राठौर के साथ अखिलेश राठौर, दिवेंद्र राठौर, विनोद राठौर, राजेंद्र राठौर, दिलेश राठौर, अजय सिंह, चमार सिंह ठाकुर, गजेंद्र पाल, गिरिवर सिंह, मोहित रे, लक्ष्मीनारायण, सुख सागर दास, पीतांबर, संजू राठिया, धर्म सिंह, सतीश कुमार, श्याम लाल, विकास सिंह, सुंदर सिंह, वीर सिंह, शिव कुमार, अशोक कुमार, संतोष कुमार, नारायण सिंह, पांडु कुमार, राज कुमार रात्रे, जवाहर सिंह, बलदाऊ कुमार, रमेश कुमार, प्रकाश कुमार, सुरेंद्र प्रताप, अनिल राठौर, रमेश दास, नर्मदा प्रसाद, राम कुमार राठौर, मनमोहन सिंह, हरीश कुमार रात्रे एवं अन्य श्रमिक साथियों ने पूरे जोश के साथ संगठन का दामन थामा। सभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय महामंत्री नाथूलाल पाण्डेय ने कहा, आज सैकड़ों साथियों का कोयला मजदूर सभा परिवार में शामिल होना इस बात का जीवंत प्रमाण है कि कोयला कामगारों का भरोसा हमारी नीतियों और न्यायप्रिय सिद्धांतों पर अडिग है। वहीं संभागीय प्रभारी केदार नाथ अग्रवाल ने भविष्य की रणनीति पर जोर देते हुए कहा, संगठन हित ही हमारे लिए सर्वोपरि है। नए सदस्यों के जुड़ने से संगठन को जमीनी स्तर पर अभूतपूर्व मजबूती मिलेगी। जब हमारा संगठन मजबूत होगा, तभी हम अंतिम छोर पर खड़े मजदूर के हक, सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों की लड़ाई को प्रबंधन के समक्ष और अधिक प्रखरता से लड़ पाएंगे। कार्यक्रम में गेवरा, दीपका और सीईडब्ल्यूएस गेवरा क्षेत्र के सभी शीर्ष पदाधिकारी एवं सदस्य प्रमुख रूप से मौजूद रहे, जिसमें मुख्य रूप से निम्नलिखित नाम शामिल हैं: गेवरा क्षेत्र सेरू हाउसिंग सदस्य दीपक कुमार दुबे एवं सुशील पाण्डेय, सुरक्षा समिति सदस्य आर एस तिवारी एवं चितुकेश साहू, कल्याण समिति सदस्य राजेश सिंह, शिव कुमार(डंपर ऑपरेटर), भगवान दास (डंपर ऑपरेटर) भीष्म (डंपर ऑपरेटर), अंकित बोवडे, लक्ष्मी नारायण साहू (फोरमैन) और घसिया । दीपका क्षेत्र से: विजय कुमार (शहरी वेलफेयर सदस्य), छोटेलाल साहू, दिनेश्वर साहू (क्षेत्र सुरक्षा सदस्य), रामलाल साहू, ठाकुर राम साहू, लोकपाल कश्यप, मिठू साहू, मुकेश साहू, मदन, नंदकुमार राठौर, कुलदीप सिंह, सुजीत तिवारी, जगदीश सिंह, किशोर देवांगन, महेंद्र जायसवाल, रविशंकर कंवर और मनीराम साहू। सीईडब्ल्यूएस गेवरा से जेसीसी सदस्य परदेशी सिंह कंवर और श्यामता साहू, कल्याण समिति से रोहित कुमार, सेफ्टी बोर्ड मेंबर महेंद्र सिंह, उपाध्यक्ष रूपनारायण गुप्ता के साथ श्रीमती पार्वती सिंह, श्रीमती राजकुमारी गुप्ता और शैलेन्द्र सिंह यादव।

कटाई से ठीक पहले लापरवाही की भेंट चढ़ी किसान की मेहनत

सारंगढ़। छत्तीसगढ़ के नवगठित सारंगढ़-बिलाइगढ़ जिले के अंतर्गत आने वाले ग्राम खुडुभांठा से एक बेहद दर्दनाक और आर्थिक नुकसान पहुँचाने वाली खबर सामने आई है। यहाँ एक किसान की महीनों की मेहनत और खून-पसीने से सींची गई खड़ी फसल आँखों के सामने धू-धू कर जल गई। इस भीषण अग्निकांड के बाद से पीड़ित किसान गहरे सदमे में है। मामले की लिखित शिकायत सारंगढ़ कोतवाली थाने में दर्ज करा दी गई है। मिली जानकारी के अनुसार, ग्राम खुडुभांठा निवासी किसान जितेन्द्र बाबु (46 वर्ष) और कमल देव ने धनसांय लहरे के 'टिकरा तिर' वाले खेत में लगभग 6 एकड़ रकबे पर धान की फसल लगाई थी। आर्थिक तंगी से जूझ रहे किसान ने बड़ी उम्मीदों के साथ कर्ज लेकर इस बार खेती का पूरा खर्च उठाया था। फसल

पूरी तरह पककर तैयार थी और दो-चार दिनों में कटाई शुरू होने वाली थी, लेकिन ठीक उससे पहले इस हादसे ने किसान के अरमानों पर पानी फेर दिया और उसे गहरे आर्थिक संकट में धकेल दिया। यह पूरी घटना 25 मई 2026 को सुबह 11:00 से दोपहर 12:00 बजे के बीच की बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि पीड़ित किसान के खेत के पास ही एक फ़ार्म हाउस स्थित है। जहाँ फ़ार्म हाउस के नौकर द्वारा साफ-सफाई के उद्देश्य से कचरे में आग लगाई गई थी। तेज हवा और गर्मी के कारण यह आग बेकाबू हो गई और फैलते हुए सीधे किसान के खेत तक पहुँच गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और खेत में खड़ी लगभग डेढ़ एकड़ की धान की फसल पूरी तरह जलकर खाक हो गई। खेत में खड़ी फसल को स्वाहा होते देख पीड़ित किसान बदहवास हो गया। उसने तत्काल सारंगढ़ कोतवाली थाना पहुँचकर घटना की लिखित शिकायत दर्ज कराई है।

नौतपा में बदलेगा मौसम का मिजाज बारिश के आसार,आंधी का अलर्ट....

■ 29 और 30 मई से बूंदाबांदी व बारिश का दौर शुरू होगा

रायपुर। ब्रज योग में चंद्रप्रधान रोहिणी नक्षत्र में सूर्यदेव के प्रवेश के साथ ही नौतपा की शुरूआत कल से हो गई है, इस बार नौतपा में मौसम के तीन रंग देखने को मिलेंगे। शुरुआत के तीन दिन भीषण गर्मी पड़ेगी। इसके बाद हल्की राहत मिलेगी, फिर 29 और 30 मई से बारिश व बूंदाबांदी का दौर शुरू हो जाएगा। कुल मिलाकर इस बार नौतपा से पहले गर्मी ने हर वर्ग के लोगों को परेशान किया है, इसलिए लोगों को नवतपा में राहत मिलने की उम्मीद है। नौतपा शुरू होने से पहले ही गर्मी ने शहरवासियों को झुलसा दिया है। मई के दूसरे सप्ताह से शुरू हुई भीषण गर्मी मई के अंतिम सप्ताह तक जारी है। इस साल की तेज गर्मी ने लोगों को खासा परेशान किया है। इस दौरान तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से नीचे नहीं गया। वहीं अधिकतम तापमान 46 डिग्री सेल्सियस के करीब रिकॉर्ड किया गया, जो पिछले 10 वर्षों में सबसे अधिक है। हालांकि बीच-बीच में कुछ सिस्टम सक्रिय होने से थोड़ी राहत जरूर मिली, लेकिन वह नाकाफी रही। इस बार आए तूफान भी गर्मी से राहत नहीं दिला सके। वर्तमान में उत्तर-पश्चिम से आने वाली शुष्क और गर्म हवाओं के कारण अधिकतम तापमान बढ़ा हुआ है। पिछले एक सप्ताह से तापमान लगातार सीजन के उच्च स्तर पर बना हुआ है। रविवार को अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान 29.6 डिग्री रहा। मौसम विभाग के अनुसार, नौतपा 25 मई से शुरू हो रहा है। इस बार नौतपा ज्यादा नहीं तपेगा। शुरुआती तीन दिनों में भीषण गर्मी और लू का प्रकोप बढ़ेगा। इसके बाद 27 मई की शाम से तापमान में गिरावट शुरू होगी, जिससे लोगों को गर्मी से हल्की राहत मिलेगी। फिर 29 और 30 मई से बूंदाबांदी व बारिश का दौर शुरू होने की संभावना है। अंतिम चार दिनों में बदली छाने और हल्की बारिश होने के आसार हैं। इस दौरान गर्मी से राहत मिलेगी, लेकिन शुरुआती बारिश के कारण उमस लोगों को परेशान कर सकती है। एचपी चंद्रा का कहना है कि नवतपा के शुरुआती तीन दिनों में तेज गर्मी पड़ेगी। इसके बाद तापमान में गिरावट आने की संभावना है। आगे चलकर बादल, बारिश और आंधी की स्थिति बनेगी।

थाना परिसर में हंगामा पड़ा भारी,लक्की को मुंगेली पुलिस ने पहुंचाया जेल

मुंगेली। मुंगेली थाने में घुसकर दहाड़ना, हंगामा करना और लोगों को डराना एक युवक को इतना भारी पड़ गया कि मुंगेली पुलिस ने तुरंत एक्शन लेते हुए उसे गिरफ्तार कर सीधे कोर्ट पहुंचा दिया। मुंगेली जिले के थाना सिटी कोतवाली क्षेत्र में लोक शांति भंग करने वाले असामाजिक तत्व पर पुलिस ने सख्त कार्रवाई की है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल के निर्देश पर जिलेभर में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी दौरान 25 मई 2026 को एक प्रार्थी ने थाना सिटी कोतवाली मुंगेली पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई कि उसके घर के ग्राउंड फ्लोर का ताला तोड़कर वहां शराबखोरी की जा रही है और असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगा रहता है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने पास में रहने वाले अनावेदक लक्ष्मण उर्फ लक्की सिंह से पूछताछ की। पूछताछ के दौरान आरोपी लक्ष्मण उर्फलक्की सिंह पिता गोवर्धन सिंह ठाकुर उम्र 27 वर्ष निवासी सुरीघाट थाना सिटी कोतवाली मुंगेली अचानक भड़क उठा और मेरे नाम से शिकायत किसने की कहते हुए थाना परिसर में जोरदार हंगामा करने लगा। उसकी डरावनी हरकतों से थाने में मौजूद नागरिक और अन्य फरियादी घबरा गए। पुलिस ने आरोपी को शांत कराने और समझाइश देने की कोशिश की, लेकिन वह लगातार उत्तेजित होकर लोक शांति भंग करता रहा। स्थिति बिगड़ती देख थाना सिटी कोतवाली पुलिस ने तत्काल प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करते हुए इश्तगाशा क्रमांक 57/140/2026 धारा 170, 126(2), 135(3) बीएनएसएस के तहत मामला दर्ज कर 26 मई को आरोपी को गिरफ्तार कर सक्षम न्यायालय में पेश किया।

रायगढ़ में बच्चों को नशे का जहर बेच रहा था डोकरी, पुलिस ने दबोचकर भेजा जेल

रायगढ़। रायगढ़ के रामभांठा संजय मैदान में मासूम बच्चों को नशे की गिरफ्त में धकेलने वाला खेल उस वक्त बेनकाब हो गया जब ऑपरेशन आघात के तहत कोतवाली पुलिस ने सोल्यूशन बेचने वाले आरोपी को रंगे हाथों पकड़ लिया। शहर के बीचोंबीच नाबालिग लड़कों को नशे के लिए सुपर मैक्स साइकिल सोल्यूशन बेचने की सूचना मिलते ही पुलिस ने ताबड़तोड़ घेराबंदी की और मौके से डोकरी नाम से मशहूर युवक को दबोच लिया। मामला 27 मई 2026 का है, जब वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल सोनी व सीएसपी मयंक मिश्रा के

मार्गदर्शन में कोतवाली पुलिस नशे के खिलाफ लगातार अभियान चला रही थी। थाना प्रभारी निरीक्षक सुखनंदन पटेल को मुखबिर से सूचना मिली कि रामभांठा स्थित संजय मैदान में एक युवक छोटे बच्चों को सोल्यूशन बेच रहा है। पुलिस पहुंची तो कई नाबालिग लड़के भागने लगे। मौके पर पकड़े गए एक लड़के ने बताया कि उसने डोकरी सिदार से 40 रुपये में सोल्यूशन खरीदा है। उसके पास से सुपर मैक्स साइकिल सोल्यूशन नंबर-04 का ट्यूब भी बरामद हुआ। इसके बाद पुलिस ने पीछा कर शिवशंकर उर्फ डोकरी सिदार पिता दिलसाय सिदार उम्र 26 वर्ष निवासी सुसडेगा थाना पत्थलगांव जिला जशपुर को पकड़ लिया। तलाशी में उसके थैले से 19 नग सुपर मैक्स सोल्यूशन, 240 रुपये बिक्री रकम और अन्य सामान जप्त किया गया। पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया कि वह राउरकेला से सोल्यूशन खरीदकर रायगढ़ के अलग-अलग इलाकों में नाबालिग बच्चों को 50-60 रुपये में बेचता था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 284/2026 में धारा 123, 275, 286 बीएनएस और धारा 77 जेजे एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। बहरहाल, रायगढ़ पुलिस का साफ संदेश है कि बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ करने वाले नशे के सौदागरों पर अब लगातार ऑपरेशन आघात का प्रहार जारी रहेगा।

धरमजयगढ़ में हाथियों की महा हलचल 137 से घटकर रह गई 61 की संख्या कहां गई हाथियों की पलटन.....

कुड़ेकेला। धरमजयगढ़ वनमण्डल जो पिछले काफी समय से गजराजों का सबसे पसंदीदा आशियाना बना हुआ था वहां के जंगलों से एक बड़ी और चौंकाने वाली खबर सामने आ रही है। कुछ दिनों पहले तक जिस वनमण्डल में 137 हाथियों का विशाल कुनबा डेरा डाले हुए था वहां अब हाथियों की संख्या घटकर 61 रह गई है। वन विभाग से मिले ताजा आंकड़ों ने इस रहस्य से पर्दा उठा दिया है जिसने छाल रेंज के ग्रामीणों को एक बड़ी राहत दी है।छाल रेंज के ग्रामीणों के लिए इन दिनों एक बड़ी राहत भरी खबर है।प्राप्त जानकारी के मुताबिक छाल क्षेत्र में सक्रिय हाथियों के एक बेहद विशाल दल ने अपना रुख बदल लिया है। 59 हाथियों के बड़े कुनबे में 12 नर 38 मादा और 9 नन्हे बच्चे शामिल हैं।जो अब छाल की सीमा को पार कर खरसिया वन परिक्षेत्र की ओर कूच कर गए हैं। इतनी बड़ी संख्या में हाथियों के जाने से छाल रेंज के ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है। कोरबा की तरफ मुड़ा बोरो परिसर का दल:-इतना ही नहीं धरमजयगढ़ वनमण्डल के बोरो परिसर में लगातार विचरण कर रहा 15 हाथियों का एक और दल भी अब इस इलाके को अलविदा कह चुका है। यह दल अब कोरबा वनमण्डल की सीमाओं में प्रवेश कर चुका है। दो बड़े दलों के दूसरे वनमण्डलों में चले जाने के कारण ही अब धरमजयगढ़ में हाथियों की संख्या में यह बड़ी गिरावट देखी जा रही है।धरमजयगढ़ में अब भी डटे हैं 61 गजराज वन विभाग द्वारा साझा की गई आधिकारिक जानकारी के अनुसार भले ही दो बड़े दल बाहर चले गए हों लेकिन धरमजयगढ़ वनमण्डल अभी भी पूरी तरह खाली नहीं हुआ है।

वर्तमान में यहाँ कुल 61 हाथियों का मूवमेंट बना हुआ है।विभाग के अनुसार मौजूदा आंकड़े नर हाथी: 29मादा हाथी: 23शावक 09

कुल मौजूदगी: 61 हाथी विभिन्न परिसरों में सक्रिय

धरमजयगढ़ वनमण्डल का घना जंगल और यहां का वातावरण हाथियों के रहवास के लिए बेहद अनुकूल साबित हो रहा है यही वजह है कि यहां हाथियों की आमद लगातार बनी रहती है और इनका कुनबा लगातार फलता फूलता जा रहा है। हाथी मित्र दल और ट्रेकर्स रख रहे पल पल की नजर हाथियों की इस भारी हलचल को देखते हुए वन विभाग का अमला पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। प्रभावित ग्रामीण इलाकों में लगातार मुनादी कराई जा रही है ताकि कोई भी ग्रामीण अनजाने में हाथियों के सामने न आ जाए।वन विभाग के हाथी मित्र दल और ट्रेकर्स की टीमें जान जोखिम में डालकर चौबीसों घंटे इन हाथियों की लोकेशन पर पैनी नजर बनाए हुए हैं। वन विभाग की ग्रामीणों से अपील:-जंगल या ग्रामीण इलाकों के आसपास यदि कहीं भी हाथियों या अन्य वन्य जीवों की मौजूदगी दिखे या कोई सूचना मिले तो तुरंत इसकी जानकारी वन विभाग को दें। हाथियों के नजदीक जाने की उन्हें छेड़ने की कोशिश कतई न करें। सतर्क रहें सुरक्षित रहें।

अवैध रेत-गिट्टी परिवहन पर बड़ी कार्रवाई,अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़

गौरेला। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में अवैध खनिज उत्खनन और परिवहन के खिलाफप्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ किया है। कलेक्टर डॉ. संतोष देवांगन के निर्देश पर खनिज विभाग की टीम ने गौरेला थाना क्षेत्र के जोबाटोला इलाके में घेराबंदी कर छापेमार कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान मध्य प्रदेश की ओर अवैध रूप से रेत और गिट्टी का परिवहन कर रहे कुल 6 वाहनों को जब्त किया गया। इनमें दो हाईवा क्रमांक सीजी 31 बी 9031 और सीजी 10 ए जेड 4266, दो ट्रैक्टर, एक टिप्पर तथा गिट्टी से भरा एक अन्य हाईवा सीजी 12 बीपी 9142 शामिल है। खनिज विभाग की कार्रवाई से इलाके में हड़कंप मच गया। सहायक खनिज अधिकारी आदित्य मानकर ने बताया कि जब्त सभी वाहनों को कलेक्टर परिसर में सुरक्षित खड़ा कराया गया है। वाहनों के खिलाफ खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 की संबंधित धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। अधिकारियों के अनुसार गिरोह लंबे समय से सीमावर्ती क्षेत्रों में अवैध रेत और गिट्टी परिवहन में संलिप्त था। लगातार मिल रही शिकायतों के बाद विभाग ने योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई को अंजाम दिया। कलेक्टर डॉ. संतोष देवांगन ने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि जिले में किसी भी प्रकार की अवैध खनिज गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

गर्मियों में ब्लड प्रेशर लो हो गया है तो क्या करें?

तेज धूप-गर्मी और लू ने लोगों की मुसीबतें बढ़ा दी हैं। डॉक्टर कहते हैं, बढ़ती गर्मी के साथ हीट स्ट्रोक होने का खतरा भी बढ़ जाता है। गर्मी के इस मौसम में लोगों में लो ब्लड प्रेशर की समस्या भी काफी बढ़ जाती है। ओपीडी में तेज बुखार, सिरदर्द, चक्कर आने और धूप के कारण त्वचा की समस्याओं के साथ मरीजों के आने का सिलसिला लगातार बना हुआ है।

डॉक्टर कहते हैं, सभी लोगों को हीटवेव से बचाव करते रहना चाहिए। बढ़ता तापमान कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है। गर्मी के इस मौसम में लोगों में लो ब्लड प्रेशर की समस्या भी काफी बढ़ जाती है। ब्लड प्रेशर का बढ़ना जितना खतरनाक है, इसका कम होना भी गंभीर समस्याओं का कारण बन सकता है। ऐसे में सवाल है कि अगर गर्मी के दुष्प्रभावों के कारण आपका ब्लड प्रेशर लो हो जाए तो क्या उपाय किए जाने चाहिए?

गर्मियों में लो बीपी की समस्या

बातचीत में इंटेंसिव केयर के डॉक्टर बताते हैं, गर्मियों का मौसम सिर्फ पसीना, थकान और चक्कर आने जैसी समस्याओं का ही कारण नहीं बनता है, इसका ब्लड प्रेशर पर भी असर होता है।

जब शरीर का तापमान बढ़ने लगता है तो शरीर खुद को ठंडा रखने के लिए नसों को फैलाता है, जिससे ब्लड प्रेशर लो होने का खतरा बढ़ जाता है।

बीपी लो होने के कारण कई लोगों को अचानक चक्कर आने, कमजोरी महसूस होने, आंखों के आगे अंधेरा छाने या बेहोशी जैसी समस्याएं होने लगती हैं। इसके अलावा गर्मियों में शरीर में पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी से भी ब्लड प्रेशर लो होने का खतरा काफी बढ़ जाता है।

क्यों लो हो जाता है ब्लड प्रेशर?

डॉक्टर कहते हैं, गर्मियों में डिहाइड्रेशन होना काफी सामान्य है, पर डिहाइड्रेशन को सामान्य मानकर अनदेखा करते रहना खतरनाक हो सकता है।

गर्मियों में लगातार पसीना आने के कारण सोडियम और पोटैशियम जैसे जरूरी मिनरल्स कम होने लगते हैं। इनकी कमी से कमजोरी और बीपी की समस्या होती है। अगर किसी का ब्लड प्रेशर लगातार बहुत कम है और ये ठीक नहीं हो रहा है तो इसका दिमाग, हार्ट और किडनी पर भी असर हो सकता है।

खिड़कियों से जुड़े वास्तु नियमों का पालन करें

आमतौर पर घर की खिड़कियों को रोशनी और हवा आने का माध्यम माना जाता है। लेकिन वास्तु शास्त्र में इन्हें सकारात्मक ऊर्जा के प्रवेश द्वार के रूप में भी देखा जाता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार खिड़कियों की दिशा, संख्या और उनकी स्थिति का सीधा प्रभाव घर के माहौल और वहां रहने वाले लोगों के जीवन पर पड़ता है। खिड़कियों को हमेशा साफ रखें। हल्के रंग के पर्दों और फ्रेम का इस्तेमाल करें ताकि सकारात्मकता बनी रहे। यदि इन बातों पर ध्यान न दिया जाए, तो आर्थिक दिक्कतें और रिश्तों में दूरी जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। खिड़कियों से जुड़े वास्तु नियमों को समझना और समय रहते सुधार करना बेहद जरूरी है।

दिशा का महत्व

वास्तु के अनुसार दक्षिण और दक्षिण-पश्चिम दिशा में बड़ी खिड़कियां होना शुभ नहीं माना जाता। इससे घर की स्थिरता प्रभावित होती है और धन संचय में बाधा आ सकती है। ऐसी स्थिति में मोटे पर्दे या मजबूत फ्रेम का उपयोग करके इस प्रभाव को कुछ हद तक कम किया जा सकता है। वहीं, उत्तर और पूर्व दिशा में खिड़कियां होना अधिक लाभकारी माना गया है, क्योंकि इन दिशाओं से सकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश होता है।

खिड़कियों की संख्या

खिड़कियों की संख्या भी वास्तु में अहम मानी जाती है। आमतौर पर सम संख्या को शुभ माना जाता है, जबकि विषम संख्या असंतुलन पैदा कर सकती है। इसके अलावा, यह भी ध्यान रखना चाहिए कि कुल संख्या का अंत शून्य पर न हो। यह छोटी-सी बात लग सकती है, लेकिन

वास्तु शास्त्र में इसका विशेष महत्व बताया गया है।

खुलने की दिशा

अगर खिड़कियां बाहर की ओर खुलती हैं, तो इसे ऊर्जा के बाहर जाने का संकेत माना जाता है। इससे मेहनत का फल टिक नहीं पाता। बेहतर यही है कि खिड़कियां अंदर की ओर खुलें। यदि ऐसा करना संभव न हो, तो अंदर की ओर पर्दे या हरे पौधे लगाकर ऊर्जा के संतुलन को बनाए रखा जा सकता है।

खराब खिड़कियों को नजरअंदाज न करें

टूटी हुई या आवाज करने वाली खिड़कियां घर में नकारात्मकता बढ़ा सकती हैं। इससे वातावरण भारी और असहज महसूस होता है। इसलिए समय-समय पर उनकी मरम्मत कराना जरूरी है। साफ और सही स्थिति में रखी गई खिड़कियां सकारात्मक माहौल बनाए रखने में मदद करती हैं।

मुख्य द्वार के सामने खिड़की का प्रभाव

यदि मुख्य दरवाजे के ठीक सामने खिड़की हो, तो माना जाता है कि ऊर्जा सीधे बाहर निकल जाती है, जिससे आर्थिक हानि हो सकती है। इस स्थिति में दरवाजे और खिड़की के बीच पर्दा, स्क्रीन या कोई सजावटी पार्टिशन लगाना लाभदायक रहता है। साथ ही, खिड़कियों पर विंड चाइम या क्रिस्टल लगाने से भी ऊर्जा संतुलित होती है।

करें ये आसान उपाय

खिड़कियों को हमेशा साफ और व्यवस्थित रखें। हल्के रंग के पर्दों और फ्रेम का इस्तेमाल करें ताकि सकारात्मकता बनी रहे।

खिड़कियों के पास कांटेदार पौधे रखने से बचें, क्योंकि ये नकारात्मक ऊर्जा को बढ़ा सकते हैं। इसके बजाय हरे-भरे और सौम्य पौधे लगाएं।

घर की उत्तर और पूर्व दिशा में बड़ी खिड़कियां रखना शुभ माना जाता है, जिससे रोशनी, ताजी हवा और सकारात्मक ऊर्जा का बेहतर संचार होता है।

गर्मी में चिपचिपी त्वचा के लिए स्किन केयर रुटीन

गर्मियों के मौसम में पसीना आना आम बात है। कई लोगों को पसीने की वजह से त्वचा में चिपचिपाहट, तैलीय और पिंपल्स जैसी समस्याएं होने लगती हैं। पसीने के कारण त्वचा के पोर्स बंद हो सकते हैं, जिससे स्किन डल और असहज महसूस होने लगती है। ऐसे में अगर सही स्किन केयर रुटीन अपनाया जाए, तो इन समस्याओं को काफी हद तक कम किया जा सकता है। आइए जानते हैं ऐसे 6 आसान स्किन केयर रुटीन जो गर्मियों में आपकी त्वचा को फ्रेश बनाए रखने में मदद कर सकते हैं। अगर आप नियमित रूप से इन आसान टिप्स को अपनाते हैं, तो आपकी त्वचा गर्मियों में भी फ्रेश, साफ और हैल्दी बनी रह सकती है।

दिन में दो बार फेसवॉश करें

गर्मियों में चेहरे पर धूल, पसीना और ऑयल जमा हो सकता है। इसलिए दिन में कम से कम दो बार हल्के फेसवॉश से चेहरा साफ करना जरूरी है। इससे त्वचा साफ और ताजगी भरी महसूस होती है।

टोनर का इस्तेमाल करें

टोनर स्किन के पोर्स को टाइट करने में मदद करता है और अतिरिक्त ऑयल को कम करता है। आप गुलाब जल या हल्के टोनर का इस्तेमाल कर सकते हैं। ऑयल-फ्री फूड का सेवन न करें। फल और सब्जियों को डाइट में अधिक मात्रा में शामिल करें। इससे शरीर की गंध में सुधार हो सकता है।

मॉइस्चराइजर लगाएं

कई लोग गर्मियों में मॉइस्चराइजर लगाना छोड़ देते हैं, लेकिन यह सही नहीं है। स्किन को हाइड्रेट रखने के लिए ऑयल-फ्री या जेल बेस्ड मॉइस्चराइजर इस्तेमाल करना बेहतर होता है।

सनस्क्रीन जरूर लगाएं

गर्मियों में तेज धूप त्वचा को नुकसान पहुंचा सकती है। इसलिए बाहर निकलने से पहले सनस्क्रीन लगाना जरूरी है। इससे टैनिंग और स्किन डैमेज से बचाव हो सकता है।

चेहरे को ठंडक दें

अगर स्किन ज्यादा चिपचिपी महसूस हो रही है, तो आप ठंडे पानी से चेहरा धो सकते हैं और आइस क्यूब से हल्की मसाज कर सकते हैं। इससे त्वचा को राहत मिल सकती है।

पर्याप्त पानी और हेल्दी डाइट लें

त्वचा को हेल्दी बनाए रखने के लिए शरीर को अंदर से हाइड्रेट रखना जरूरी है। इसके लिए ज्यादा पानी पिएं, ताजे फल और सब्जियां खाएं।

कमर दर्द से लेकर तनाव तक फायदेमंद योगासन

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोगों के पास लंबे समय तक एक्सरसाइज या योग करने का समय नहीं होता। ऐसे में खड़े होकर किए जाने वाले योगासन फिट और एक्टिव रहने का आसान तरीका बन सकते हैं। इन योगासनों की खास बात यह है कि इन्हें कहीं भी और कभी भी किया जा सकता है। ऑफिस में काम करते समय, घर में खाली समय में या सुबह की शुरुआत में इनका अभ्यास शरीर को ऊर्जा देने का काम करता है। खड़े होकर किए जाने वाले योगासन शरीर का संतुलन सुधारते हैं, मांसपेशियों को मजबूत बनाते हैं और तनाव कम करने में मदद करते हैं। नियमित अभ्यास से कमर दर्द, थकान और शरीर में जकड़न जैसी समस्याओं से भी राहत मिल सकती है। योग विशेषज्ञों के मुताबिक, रोजाना कुछ मिनट इन आसान योगासनों का अभ्यास करने से शरीर और मन दोनों स्वस्थ रहते हैं। आइए जानते हैं ऐसे ही कुछ आसान स्टैंडिंग योगासन, जिन्हें मौका मिलते ही किया जा सकता है।

ताड़ासन

ताड़ासन को सभी खड़े योगासनों की शुरुआत माना जाता है। इसमें सीधे खड़े होकर शरीर को ऊपर की ओर खींचा जाता है। यह आसन शरीर की मुद्रा सुधारने, रीढ़ को मजबूत बनाने और लंबाई बढ़ाने में मददगार माना जाता है। रोजाना इसका अभ्यास करने से शरीर में संतुलन और फोकस बेहतर होता है।

वृक्षासन

वृक्षासन यानी ट्री पोज शरीर के संतुलन को मजबूत बनाने वाला योगासन है। इसमें एक पैर पर खड़े होकर दूसरे पैर को जांघ पर रखा जाता है। यह आसन मानसिक एकाग्रता बढ़ाने और पैरों की मांसपेशियों को मजबूत करने में मदद करता है। तनाव कम करने के लिए भी यह योगासन फायदेमंद माना जाता है।

त्रिकोणासन

त्रिकोणासन शरीर को लचीला बनाने वाला प्रभावी योगासन है। इसमें शरीर को साइड की ओर झुकाया जाता है, जिससे कमर, कंधे और पैरों की स्ट्रेचिंग होती है। यह आसन पाचन सुधारने, पेट की चर्बी कम करने और शरीर में ऊर्जा बढ़ाने में मदद करता है।

वीरभद्रासन

वीरभद्रासन शरीर को ताकत और स्थिरता देने वाला योगासन है। इसमें हाथ और पैरों को फैलाकर योद्धा जैसी मुद्रा बनाई जाती है। यह आसन पैरों, कंधों और पीठ की मांसपेशियों को मजबूत करता है। लंबे समय तक बैठकर काम करने वालों के लिए यह काफी लाभकारी माना जाता है।

आज का राशिफल

मेष राशि - आपकी राशि के प्रथम भाव में मंगल मजबूत स्थिति में विराजमान हैं, जो आपको असीमित ऊर्जा देंगे। वहीं, आपकी राशि के तृतीय भाव में बुध, शुक्र और गुरु की युति से बना त्रिग्रही योग आपकी निर्णय क्षमता और साहस को बढ़ाएगा। करियर, बिजनेस और नौकरी में भद्र राजयोग के कारण बड़े वित्तीय लाभ के अवसर मिलेंगे। आपकी राशि के द्वितीय भाव में सूर्य की उपस्थिति से अचानक धन लाभ होगा, लेकिन सप्ताहांत में हानि से बचने के लिए सतर्क रहें।

वृषभ राशि - आपकी राशि के प्रथम भाव में सूर्य देव विराजमान हैं, जो आपके व्यक्तित्व में निखार और नेतृत्व क्षमता लाएंगे। वहीं, आपकी राशि के द्वितीय भाव में बुध, शुक्र और गुरु की युति से बन रहा गजलक्ष्मी योग आपकी धन स्थिति को जबरदस्त मजबूती देगा। करियर, बिजनेस और नौकरी में नए सौदे फाइनल होंगे, जिससे बड़ा लाभ मिलेगा। निवेश में हानि की कोई संभावना नहीं है।

मिथुन राशि - आपके जीवन में बड़े और सकारात्मक बदलाव लेकर आ रहा है, क्योंकि चंद्रमा आपके तृतीय से छठे भाव तक गोचर करेंगे। आपकी राशि के प्रथम भाव में बुध, शुक्र और गुरु मिलकर त्रिग्रही योग के साथ-साथ भद्र और सरस्वती राजयोग का निर्माण कर रहे हैं। इसके कारण आपके आत्मविश्वास, बौद्धिक क्षमता और नौकरी में एदोन्नति के योग बनेंगे। बिजनेस में नए प्रोजेक्ट मिलने से भारी लाभ होगा।

कर्क राशि - आपके लिए मिलेजुले परिणाम लेकर आएगा, क्योंकि चंद्रमा आपके द्वितीय से पंचम भाव तक गोचर करेंगे। आपकी राशि के द्वादश भाव में बुध, शुक्र और गुरु की युति से त्रिग्रही योग बन रहा है, जिससे सुख-सुविधाओं पर खर्चों में भारी बढ़ोतरी होगी और धन हानि की आशंका रहेगी। हालांकि, आपकी राशि के एकादश भाव में सूर्य की उपस्थिति आपको अचानक लाभ और मित्रों का सहयोग दिलाएगी। करियर, बिजनेस और नौकरी में स्थिति सामान्य बनी रहेगी।

सिंह राशि - चंद्रमा आपकी ही राशि से गोचर शुरू करके चतुर्थ भाव तक जाएंगे। आपकी राशि के एकादश भाव में बुध, शुक्र और गुरु की युति से बन रहे भद्र और गजलक्ष्मी राजयोग आपकी आर्थिक उन्नति और धन लाभ के नए द्वार खोलेंगे। आपकी राशि के दशम भाव में सूर्य की उपस्थिति आपको नौकरी और करियर में राजा जैसा सम्मान दिलाएगी।

कन्या राशि - मान-सम्मान पाने का है, क्योंकि चंद्रमा आपके द्वादश से तृतीय भाव तक गोचर करेंगे। आपकी राशि के दशम भाव में बुध, शुक्र और गुरु का त्रिग्रही योग भद्र और गजलक्ष्मी राजयोग का निर्माण कर रहा है, जो नौकरी में मनचाहा ट्रांसफर या प्रमोशन दिलाएगा। बिजनेस के क्षेत्र में भारी धन लाभ के योग हैं। आपकी राशि के नवम भाव में सूर्य की उपस्थिति से भाग्य का पूरा साथ मिलेगा, जिससे किसी भी कार्य में हानि नहीं होगी।

तुला राशि-आपके लिए भाग्य का पूरा साथ लेकर आ रहा है, क्योंकि चंद्रमा आपके एकादश से द्वितीय भाव तक गोचर करेंगे। आपकी राशि के नवम भाव में बुध, शुक्र और गुरु की युति से अद्भुत त्रिग्रही योग बन रहा है, जिससे नौकरी और करियर में बड़ी सफलता मिलेगी। बिजनेस से जुड़ी यात्राएं सफल रहेंगी और अत्यधिक लाभ दिलाएंगी। आपकी राशि के अष्टम भाव में सूर्य की उपस्थिति से अनावश्यक खर्चों के कारण धन हानि हो सकती है।

वृश्चिक राशि - आपके लिए मिश्रित और गहरा अनुभव देने वाला रहेगा, क्योंकि चंद्रमा आपके दशम से प्रथम भाव तक गोचर करेंगे। आपकी राशि के अष्टम भाव में बुध, शुक्र और गुरु का त्रिग्रही योग बन रहा है, जो अचानक धन लाभ तो कराएगा, लेकिन करियर में मेहनत बढ़ाएगा। आपकी राशि के सप्तम भाव में सूर्य की उपस्थिति से बिजनेस पार्टनर या जीवनसाथी के साथ वैचारिक मतभेद हो सकते हैं, जिससे नौकरी में थोड़ा तनाव रहेगा।

धनु राशि- आपके लिए खुशियों की सौगात और साझेदारी में बड़ी सफलता लेकर आएगा, क्योंकि चंद्रमा आपके नवम से द्वादश भाव तक गोचर करेंगे। आपकी राशि के सप्तम भाव में बुध, शुक्र और गुरु की युति से बन रहे भद्र, सरस्वती और गजलक्ष्मी राजयोग बिजनेस में अभूतपूर्व सफलता और भारी मुनाफा दिलाएंगे। आपकी राशि के छठे भाव में सूर्य की उपस्थिति आपको नौकरी और कोर्ट-कचहरी के मामलों में बड़ी विजय दिलाएगी। धन लाभ के नए स्रोत बनेंगे, जिससे आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

मकर राशि - आपके लिए अपनी सूझबूझ से विपरीत परिस्थितियों पर विजय पाने का रहेगा, क्योंकि चंद्रमा आपके अष्टम से एकादश भाव तक गोचर करेंगे। आपकी राशि के छठे भाव में बुध, शुक्र और गुरु की युति से त्रिग्रही योग बन रहा है, जो नौकरी और कंपटीशन में सफलता दिलाएगा। हालांकि, बिजनेस में उधारी के लेन-देन से धन हानि की आशंका रहेगी। आपकी राशि के पंचम भाव में सूर्य की उपस्थिति से बौद्धिक क्षमता बढ़ेगी और करियर में नए अवसर मिलेंगे।

कुंभ राशि- आपके लिए खुशियों, मान-सम्मान और बौद्धिक क्षमता में अभूतपूर्व वृद्धि लेकर आ रहा है, क्योंकि चंद्रमा आपके सप्तम से दशम भाव तक गोचर करेंगे। आपकी राशि के पंचम भाव में बुध, शुक्र और गुरु मिलकर त्रिग्रही योग और भद्र राजयोग का निर्माण कर रहे हैं। इसके प्रभाव से शिक्षा, नौकरी और करियर में बड़ी सफलता मिलेगी।

मीन राशि- आपके लिए सुख-सुविधाओं में वृद्धि और मानसिक शांति लेकर आएगा, क्योंकि चंद्रमा आपके छठे से नवम भाव तक गोचर करेंगे। आपकी राशि के चतुर्थ भाव में बुध, शुक्र और गुरु का त्रिग्रही योग भद्र, सरस्वती और गजलक्ष्मी राजयोग का निर्माण कर रहा है। इसके प्रभाव से रियल एस्टेट और बिजनेस से जुड़े लोगों को भारी लाभ होगा।

पसीने की बदबू कैसे दूर करें?

तपती गर्मी और उमस भरे मौसम में पसीना आना तो आम बात है, लेकिन जब यही पसीना अंडरआर्म्स की दुर्गंध में बदल जाए, तो यह न केवल आपके आत्मविश्वास को कम करता है बल्कि सामाजिक शर्मिंदगी का कारण भी बन जाता है। क्या आपने कभी महसूस किया है कि महंगे से महंगे डियोड्रेंट और परफ्यूम भी कुछ ही घंटों में अपना असर खो देते हैं? दरअसल, पसीने की अपनी कोई गंध नहीं होती, असली वजह तो आपकी त्वचा पर मौजूद बैक्टीरिया और बंद रोमछिद्र हैं। अगर आप भी पसीने की बदबू कैसे दूर करें, जैसे सवालों का जवाब ढूंढ रहे हैं, तो आप अकेले नहीं हैं। अच्छी खबर यह है कि आपको अब और केमिकल वाले प्रोडक्ट्स पर निर्भर रहने की जरूरत नहीं है। आपके किचन में मौजूद नींबू, बेकिंग सोडा और एप्पल साइडर विनेगर जैसे साधारण तत्व इस समस्या का जड़ से सफाया कर सकते हैं। इस लेख में गर्मियों के ऐसे घरेलू नुस्खों के बारे में बताया जा रहा है जो आपको दिनभर फ्रेश और कॉन्फिडेंट बनाए रखेंगे। आइए जानते हैं पसीने की बदबू को अलविदा कहने के वो प्राकृतिक तरीके, जो आपकी स्किन के लिए सुरक्षित भी हैं और असरदार भी।

रोजाना 2 बार नहाएं

गर्मियों में दो बार स्नान कर सकते हैं। सुबह तो स्नान करें ही, साथ ही शाम को नहाएं ताकि दिन भर का पसीना, गंदगी और बदबू दूर हो सकते। नहाने के लिए एंटी-बैक्टीरियल साबुन का इस्तेमाल करें। इससे बैक्टीरिया कम होंगे और बदबू नहीं आएगी

नींबू का इस्तेमाल

अधिकतर लोगों के अंडरआर्म्स से पसीने की बदबू आती है। इससे छुटकारा पाने के लिए नींबू को अंडरआर्म्स पर रगड़ें। फिर 5 मिनट बाद धो लें। नींबू नेचुरल डियोड्रेंट की तरह काम करता है।

बेकिंग सोडा

अपने अंडरआर्मस में थोड़ा सा बेकिंग सोडा लगा सकते हैं। ये पसीने की नमी को सोखता है और बदबू पैदा करने वाले बैक्टीरिया खत्म करता है। ध्यान रखें कि बेकिंग सोडा को चेहरे पर न लगाएं।

फिटकरी का उपयोग

नहाने के बाद फिटकरी के पानी को घोलकर लगा लें। ऐसा करने से बैक्टीरिया खत्म होते है और शरीर से बदबू नहीं आती है। ये पुराने समय का नुस्खा है।

ढीले और कॉटन कपड़े पहनें

अगर आप चाहते हैं कि आपके शरीर से बदबू न आए तो गर्मियों में कॉटन फैब्रिक के ढीले कपड़े पहनें। ये पसीना सोखने में मदद करते हैं। जबकि टाइट कपड़े पसीना बढ़ाते हैं।

ज्यादा पानी पिएं

शरीर को हाइड्रेट रखें। पर्याप्त मात्रा में पानी पीएं। इससे टॉक्सिन्स शरीर से बाहर निकलते हैं और अंदर से भी फ्रेशनेस बनी रहती है।

खानपान पर ध्यान दें

गर्मियों में ज्यादा मसालेदार और जंक

नारियल तेल और टी ट्री ऑयल

नारियल तेल में कुछ बूंद टी ट्री ऑयल की मिलाकर अंडरआर्म्स में लगाएं। ये एंटी बैक्टीरियल है जो आपके शरीर की दुर्गंध को कम करने में भी सहायक है।

तहसीलदार विद्या भूषण साव ने धरोहर के विद्यार्थियों को अपने संघर्ष, परिश्रम एवं सफलता के अनुभव को साझा किया

ओडेकेरा के शिक्षकों का आवाम धरोहर की ओर निरंतर

जैजैपुर। पेंड्रा एवम आडेकेरा से पिछड़ा जैजैपुर निशुल्क धरोहर जोन के शिक्षक जहां पर तीनों जोन के धरोहर के छात्र अपने उज्जवल भविष्य के लिए प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। गरीब तपके ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित धरोहर निःशुल्क कोचिंग निरंतर विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा एवं सफलता का माध्यम बनता जा रहा है। डाइट पेंड्रा के प्राचार्य जे. पी. पुष्प के मार्गदर्शन, निर्देशन एवं संरक्षण में प्रारंभ किए गए इस अभिनव शैक्षणिक अभियान के अंतर्गत जैजैपुर एवं ओड़ेकेरा दो जोन बनाकर विद्यार्थियों को निःशुल्क कोचिंग प्रदान की जा रही है। ग्रामीण अंचल के विद्यार्थी उत्साहपूर्वक इस पहल का लाभ उठा रहे हैं तथा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में सक्रिय रूप से जुड़ रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि जैजैपुर, प्राचार्य जे. पी. पुष्प की कर्मभूमि भी रही है। अपने कर्मभूमि के प्रति दायित्व एवं ऋण को चुकाने की भावना से प्रेरित होकर उनके द्वारा इस प्रकार की अभिनव एवं समाजोपयोगी पहल की गई है, जो ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो रही है। इसी क्रम में धरोहर निःशुल्क कोचिंग, ओड़ेकेरा जोन में कैरियर मार्गदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें जैजैपुर के तहसीलदार एवं कार्यक्रम के मार्गदर्शक आदरणीय विद्याभूषण साव का विशेष आगमन हुआ। विद्यार्थियों ने उनका उत्साहपूर्वक स्वागत किया। अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में तहसीलदार विद्याभूषण साव ने विद्यार्थियों के साथ अपने संघर्ष, परिश्रम एवं सफलता के अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि किस प्रकार सुनियोजित अध्ययन, अनुशासन एवं निरंतर प्रयास के बल पर उन्होंने प्रथम प्रयास में ही पी.एस.सी. परीक्षा उत्तीर्ण कर तहसीलदार पद प्राप्त किया। उनकी सफलता की कहानी ने विद्यार्थियों में नई ऊर्जा एवं आत्मविश्वास का संचार किया। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी से संबंधित अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की। विशेष रूप से समय प्रबंधन, अध्ययन सामग्री के चयन, परीक्षा रणनीति, अध्ययन के प्रभावी ट्रिक्स तथा निरंतर अभ्यास के महत्व पर उन्होंने उपयोगी सुझाव दिए।

विश्व हिन्दू परिषद व बजरंग दल के पदाधिकारी हुए सम्मानित

गाजीपुर। भदौरा प्रखंड में विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल की एक महत्वपूर्ण बैठक गुरुवार को सम्पन्न हुई। बैठक में संगठन विस्तार एवं चोपन, सोनभद्र में संचालित बजरंग दल शौर्य प्रशिक्षण वर्ग के विषय में विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए बजरंग दल जिला संयोजक रविराज ने शौर्य प्रशिक्षण वर्ग की आवश्यकता एवं संगठन की कार्य शैली पर प्रकाश डाला। साथ ही धर्मांतरण, लव जिहाद एवं लैंड जिहाद जैसे विषयों पर कार्यकर्ताओं को जागरूक करते हुए हिंदू समाज की सुरक्षा एवं संगठन की मजबूती पर बल दिया गया।

बैठक के दौरान विश्व हिंदू परिषद जिला अध्यक्ष बिपिन श्रीवास्तव द्वारा भदौरा प्रखंड के लिए नए दायित्वों की घोषणा की गई। जिसमें भदौरा प्रखंड संयोजक अमन चौरसिया सह संयोजक दीपक कुमार विद्यार्थी संपर्क प्रमुख आदित्य सिंह बालोपासना प्रमुख अंकित गुप्ता सुरक्षा प्रमुख शिवम वर्मा मिलन केंद्र प्रमुख आशीष पाण्डे गौ रक्षा प्रमुख संदीप चौहान।

बैठक में प्रमुख रूप से जिला अध्यक्ष बिपिन श्रीवास्तव, जिला धर्माचार्य प्रमुख प्रदीप तिवारी, बजरंग दल जिला संयोजक रविराज एवं नगर अध्यक्ष अनुराग चौहान उपस्थित रहे। सभी पदाधिकारीगण को माला पहनाकर सम्मानित किया गया।

बैठक का उद्देश्य संगठन को अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाना तथा युवाओं को राष्ट्र एवं धर्म सेवा के लिए प्रेरित करना रहा।

खेत खलियान से प्रतिबंधित अर्जुन पेड़ की कटाई, पर्यावरण संरक्षण में शासन के साथ नागरिकों की भी जिम्मेदारी

पाटन/अम्लेश्वर। पर्यावरण को दूषित होने से बचाना है, हमें चारों तरफ पेड़ लगाना है – यह संदेश आज केवल नारों और फोटो सेशन तक सीमित होता दिखाई दे रहा है। शासन के निर्देशानुसार एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत जनप्रतिनिधि और अधिकारी पौधारोपण तो कर रहे हैं, लेकिन उनकी सुरक्षा और देखभाल के लिए पुख्ता इंतजाम नहीं किए जा रहे हैं। वर्तमान स्थिति यह दर्शाती है कि सिर्फ पौधे लगाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी सुरक्षा और संरक्षण भी उतना ही आवश्यक है। इस मामले में शासन-प्रशासन जितना जिम्मेदार है, उतनी ही जिम्मेदारी आम नागरिकों की भी है। लोग अपने आसपास पौधे तो लगा रहे हैं, लेकिन उनकी नियमित देखभाल और सुरक्षा की ओर गंभीरता नहीं दिखा रहे हैं। लगातार पेड़ों की कटाई हो रही है, विशेषकर प्रतिबंधित अर्जुन वृक्ष की अवैध कटाई चिंता का विषय बनी हुई है। खेत-खलिहानों में कभी बड़ी संख्या में दिखाई देने वाले अर्जुन के पेड़ अब तेजी से गायब होते जा रहे हैं। सवाल यह है कि प्रतिबंध के बावजूद इन पेड़ों की कटाई और बिक्री कैसे हो रही है? दो-चार हजार रुपये के लालच में लोग पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने से भी नहीं हिचक रहे हैं।

राजस्व और वन विभाग पर समय-समय पर सवाल उठते रहे हैं, लेकिन यह भी सच है कि समाज को आत्ममंथन करने की जरूरत है। पहले के समय में किसान पेड़ों को काटने के बजाय उनकी टहनियों का उपयोग करते थे और पेड़ सुरक्षित रहते थे। आज स्थिति इसके विपरीत है – लोग स्वयं अपने पेड़ों को बेच रहे हैं और फिर दोष शासन-प्रशासन पर मढ़ देते हैं। इसी लापरवाही का परिणाम है कि तापमान 44-45 डिग्री तक पहुंच चुका है। भीषण गर्मी से जनजीवन प्रभावित है। पशु-पक्षी भीषण ताप से बेहाल हैं और कई पक्षियों की असमय मृत्यु हो रही है। यदि समय रहते पर्यावरण संरक्षण की दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले समय में मानव जीवन भी गंभीर संकट में पड़ सकता है। आइए, केवल फोटोबाजी तक सीमित न रहें। अपने आसपास अधिक से अधिक पेड़ लगाएं, उनकी सुरक्षा करें और पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन बनाएं। शासन-प्रशासन को दोष देने के बजाय अपनी जिम्मेदारी निभाएं और आने वाली पीढ़ियों के लिए हरित भविष्य सुनिश्चित करें।

सरपंच-सचिव ने दी फर्जी एनओसी, कार्रवाई नहीं, 150 से अधिक कार्यकर्ताओं का भाजपा से सामूहिक इस्तीफा

शिकायत के बाद भी एक्शन नहीं, नेताओं को भी कराया था अवगत, अब बिफरे

ग्राम दीवान झिटिया का मामला, कई पेड़ों की अवैध कटाई की गई

राजनांदगांव। ग्राम दीवानझिटिया के भाजपा कार्यकर्ता बुधवार को तपती धूप में सीधे जिला भाजपा कार्यालय पहुंच गए। यहां तकरीबन 200 कार्यकर्ताओं का सामूहिक इस्तीफा सौंप दिया। वहां मौजूद भाजपा पदाधिकारियों के समक्ष उन्होंने अपनी बात भी रखी और सुनवाई नहीं होने की बात कही। इसके पीछे उन्होंने बताया कि गड़बड़ी का आवेदन देने के बाद भी उस पर जिला प्रशासन कार्रवाई नहीं कर रहा है, भाजपा नेताओं को भी इससे अवगत कराया गया। लेकिन कोई रिस्पांस नहीं मिल रहा है। इससे आहत होकर सभी यहां इस्तीफा देने पहुंचे हैं। मिली जानकारी के अनुसार गांव के पास ही सोलर प्लांट खुलना है। उसके लिए गांव के सरपंच व सचिव ने एनओसी जारी की गई है। ग्रामीणों का कहना है कि एनओसी फर्जी तरीके से दी गई है, इसकी शिकायत भी उन्होंने की। भाजपा के आला नेताओं को भी इसके बारे में जानकारी दी। इसके बाद भी इस पर कार्रवाई नहीं की जा रही है। ग्रामीणों ने बताया कि अधिकारी मौके पर पहुंचकर जांच कर लौट गए हैं। लेकिन सख्ती नहीं बरती जा रही है। बार-बार सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटकर वे थक गए हैं। इस कारण वे भी इस्तीफा देने का निर्णय लिए हैं।

भाजपा पर भी लगाया बड़ा आरोप

कार्यकर्ता सामूहिक रूप से इस्तीफा देने तो आए। उसमें उन्होंने भाजपा संगठन पर बड़ा आरोप लगाया। उसमें लिखा गया कि फर्जी एनओसी दी गई, इस कारण वहां पेड़ों की अवैध कटाई जोरों पर है, इसका पर्यावरण पर बुरा असर पड़ रहा है। भाजपा एक ओर पर्यावरण की बात कर रही है और दूसरी तरफ गंभीर अपराध हो रहा है। इससे ग्रामीण काफी आहत है। सामूहिक इस्तीफा देने मुख्य रूप से 40 के करीब कार्यकर्ता आए थे, जबकि 150 से अधिक लोगों ने इस्तीफा दिया है। इनमें कोमलराम, मुकेश कुमार, लक्ष्मीनारायण, डोबेंद्र साहू, रामकुमार, रेणुका बाई, माहेश्वरी बाई, गजराज कुमार, भारती साहू, चेतन यादव, भिलक कुमार, उमा सिन्हा, झमित, गीता बाई, मिथलेश, उमाशंकर यदु व अन्य शामिल है।

मोर सेवा संगवारी योजना से घर बैठे मिल रहे ऑनलाइन दस्तावेज, नागरिक उठा रहे हैं लाभ

भिलाईनगर। शासन की महत्वाकांक्षी योजना ''मोर सेवा संगवारी'' के तहत नागरिकों को विभिन्न प्रकार के ऑनलाइन दस्तावेज एवं प्रमाण पत्र आसानी से उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इस योजना का उद्देश्य आम नागरिकों को शासकीय सेवाओं का लाभ सरल, सुगम एवं घर बैठे उपलब्ध कराना है। नगर पालिक निगम भिलाई में इस योजना के अंतर्गत नागरिक टोल फ्री नंबर 14545 पर निःशुल्क कॉल कर मोर सेवा संगवारी के एजेंट को अपने घर बुला सकते हैं। एजेंट द्वारा नागरिकों से आवश्यक जानकारी एवं दस्तावेज प्राप्त कर ऑनलाइन प्रक्रिया पूर्ण की जाती है, जिससे लोगों को कार्यालयों के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं पड़ती। मोर सेवा संगवारी योजना के माध्यम से आय, निवास, जाति प्रमाण पत्र सहित अन्य आवश्यक दस्तावेज एवं सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध कराई जा रही हैं। इससे समय की बचत होने के साथ-साथ नागरिकों को पारदर्शी एवं त्वरित सेवा का लाभ मिल रहा है। नगर निगम प्रशासन ने नागरिकों से शासन की इस जनहितकारी योजना का अधिक से अधिक लाभ लेने की अपील की है। साथ ही कहा है कि किसी भी प्रकार की ऑनलाइन दस्तावेज संबंधी आवश्यकता होने पर टोल फ्री नंबर 14545 पर संपर्क कर सुविधा प्राप्त की जा सकती है।

हल्का कार्यालय किकिरदा से पटवारी नदारद किसान हो रहे हैं परेशान

जैजैपुर। जनपद पंचायत जैजैपुर के अंतर्गत ग्राम पंचायत किकिरदा के पटवारी हल्का नंबर 09 पटवारी कार्यालय से पटवारी के हमेशा नदारद रहने से बेवजह किसानों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जिम्मेदार राजस्व विभाग के अधिकारी जानबूझकर अनजान बने बैठे हैं। गौरतलब है कि सक्ती जिला के जनपद पंचायत जैजैपुर के अंतर्गत तहसील न्यायालय हसौद के हल्का नंबर 09 ग्राम पंचायत किकिरदा में पदस्थ हल्का पटवारी सत्येंद्र कुमार कंवर अपने कार्यालय से हमेशा नदारत रहते है। जिसके कारण किसानों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस संबंध में किसानों ने बताया कि ग्राम पंचायत किकिरदा के पटवारी हल्का नंबर 09 सत्येंद्र कुमार कंवर अपने कार्यालय से हमेशा गायब रहते है और उनके मोबाइल नंबर पर संपर्क करने पर फोन नहीं उठते हैं। जिसके कारण किसानों को बार-बार पटवारी कार्यालय का चक्कर लगाना पड़ रहा है। यहां पर किसान लोग पटवारी सत्येंद्र कुमार कंवर के कार्य शैली और क्रियाकलाप से बहुत ज्यादा परेशान है। जिम्मेदार राजस्व विभाग के अधिकारीयों को किसानो की परेशानियों से कोई लेना देना नहीं है। पटवारी का मनोबल चरम सीमा के सातवें आसमान पर टिकी है। कार्रवाई के अभाव में उक्त पटवारी महीना में एक या दो दिन दर्शन दे दे तो काफी है। जिसके कारण किसानों को बेवजह भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बहरहाल कारण चाहे जो भी हो हल्का नंबर 9 ग्राम पंचायत किकिरदा में पदस्थ पटवारी सत्येंद्र कुमार कंवर के नहीं आने से किसानों को बेवजह भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

रोड की भूमि पर हो रहे अवैध निर्माण पर निगम की कार्रवाई, जेसीबी से हटाया अतिक्रमण

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई के जोन-2 वैशाली नगर क्षेत्रांतर्गत अवैध अतिक्रमण के खिलाफ निगम प्रशासन द्वारा सख्त कार्रवाई की गई। निगम की संयुक्त टीम ने पुलिस बल की मौजूदगी में जेसीबी के माध्यम से रोड एवं रास्ते की भूमि पर किए जा रहे अवैध निर्माण को हटाया। निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय को प्राप्त जानकारी के अनुसार एन. संतोषी एवं एन. शैलजा पति एन. धनराजु, निवासी राजीव आवास निवासी कोहका कैलाश नगर कुरूद भिलाई द्वारा प्लाट खसरा नंबर 1606/109 एवं 1606/110 में बिना भवन अनुज्ञा के रोड एवं रास्ते की भूमि पर अवैध निर्माण कार्य कराया जा रहा था। मामले की जानकारी मिलने पर निगम प्रशासन द्वारा संबंधित पक्षों को स्वयं अवैध निर्माण हटाकर निगम को सूचित करने निर्देशित किया गया था। इसके बावजूद संबंधितों द्वारा कोई समाधानकारक जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया। जिसके बाद आज जोन-2 राजस्व विभाग, बेदखली टीम एवं पुलिस बल की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर जेसीबी की सहायता से अवैध अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की। निगम अधिकारियों ने बताया कि शहर में अवैध अतिक्रमण एवं बिना अनुमति निर्माण के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। सार्वजनिक मार्ग एवं शासकीय भूमि पर अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध आगे भी नियमानुसार कार्रवाई जारी रहेगी।

जिला चिकित्सालय परिसर की दुकानों का किराया पेंडिंग, सीलिंग की हुई कार्रवाई

राजनांदगांव। जिला चिकित्सालय परिसर में आबंटित दुकानों का वर्षों से लंबित किराया जमा नहीं करने वाले दुकानदारों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जा रही है। जीवन दीप समिति के निर्णय के अनुसार बकाया किराया जमा नहीं करने पर दुकानों को सील करने एवं आबंटन निरस्त करने की कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में ममता चन्द्राकर को जिला चिकित्सालय राजनांदगांव परिसर में आबंटित उत्तरमुखी दुकान क्रमांक-8 को तालाबंद कर सील किया गया। संबंधित दुकान का माह जुलाई 2015 से किराया बकाया था। कार्यालय सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक जिला चिकित्सालय राजनांदगांव द्वारा किराया राशि जमा करने हेतु अंतिम स्मरण नोटिस भी जारी किया गया था। इसके बावजूद निर्धारित समयावधि तक 1 लाख 79 हजार 666 रूपए की बकाया राशि जमा नहीं किए जाने पर दुकानों को सील करने की कार्रवाई की गई। परिसर में संचालित अन्य दुकानदारों को भी निर्धारित समयसीमा में बकाया किराया जमा करने के निर्देश दिए हैं। समय सीमा में बकाया किराया राशि जमा नहीं करने वाले अन्य दुकानदारों के विरूद्ध भी नियमानुसार सीलिंग एवं आबंटन निरस्तीकरण की कार्रवाई की जाएगी।

बरसात पूर्व तैयारियों का निगम आयुक्त ने किया निरीक्षण, अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने जोन-2 वैशाली नगर क्षेत्र में प्रातः भ्रमण के दौरान निर्माणाधीन रिटर्निंग वॉल, सामुदायिक सुलभ शौचालय एवं नाला सफाई कार्यों का निरीक्षण किये। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कार्यों में गुणवत्ता एवं समयसीमा का विशेष ध्यान रखने कहा गया। आयुक्त ने वार्ड क्रमांक 26 रामनगर मुक्तिधाम शीतला मंदिर के पास निर्माणाधीन रिटर्निंग वॉल का जायजा लिये। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बरसात शुरू होने से पहले निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया जाए, ताकि क्षेत्रवासियों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। समीप स्थित सामुदायिक सुलभ शौचालय की व्यवस्थाओं का भी अवलोकन किये। आयुक्त ने शौचालय में नियमित साफ-सफाई, पर्याप्त पानी एवं प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, जिससे नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। आयुक्त ने वार्ड क्रमांक 25 जवाहर नगर स्थित श्रीराम हाईट्स के पास चैन एक्सीवेटर के माध्यम से चल रहे नाला सफाई कार्य का निरीक्षण किये। उन्होंने सफाई कार्य को व्यवस्थित ढंग से करने, जलकुंभी एवं अन्य कचरों को पूरी तरह हटाने के निर्देश दिए। आयुक्त ने कहा कि बरसात के दौरान जल निकासी सुचारू रूप से हो, इसके लिए नालों की सफाई समय पर और प्रभावी तरीके से किया जाना आवश्यक है, जिससे जलभराव की स्थिति निर्मित न हो। जवाहर नगर नाला के समीप अवैध निर्माण कार्य जारी था जिसे तत्काल रुकवाया गया है। विधिवत आवश्यक कार्यवाही हेतु जोन आयुक्त को निर्देशित किया गया हैं।

अवैध रूप से निर्मित दुकान को निगम ने किया बेदखल

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्रांतर्गत नंदनी रोड ओवर ब्रिज के बगल में अवैध रूप से निर्मित दुकान पर निगम प्रशासन द्वारा कार्रवाई की गई। निगम को प्राप्त शिकायत एवं स्थल निरीक्षण के दौरान पाया गया कि अल्ताफ द्वारा बिना अनुमति नया दुकान निर्माण किया गया था, जिससे मार्ग व्यवस्था प्रभावित हो रही थी। निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के निर्देशानुसार तोड़फोड़ दस्ता एवं संबंधित जोन की टीम मौके पर पहुंची और अवैध निर्माण को हटाने की कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान अवैध रूप से बनाए गए दुकान को निगम अमले की सहायता से हटाया गया। निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बिना वैधानिक अनुमति के किए गए किसी भी प्रकार के निर्माण एवं अतिक्रमण पर लगातार कार्रवाई जारी रहेगी। नागरिकों से अपील की गई है कि अवैध रूप से दुकान को स्थापित करने से पूर्व निगम से आवश्यक अनुमति अवश्य प्राप्त करें, अन्यथा नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई के दौरान निगम के अधिकारी, तोड़फोड़ दस्ता, राजस्व विभाग उपस्थित रहे।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com